ज्येष्ठ शुक्ल - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 316 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 14-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मुझे बंगाल से बाहर रखने की टीएमसी की कोशिशें सफल नहीं होंगी : मालवीय

6 संतानों के दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

7 असल जिंदगी में मैं 'मिर्जापुर' के मुन्ना पंडित से बहुत अलग हूं : अली फजल

फर्स्ट टेक

उच्चतम न्यायालय ने फिल्म 'हमारे बारह' की रिलीज पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अन्नू कपूर की फिल्म 'हमारे बारह' की रिलीज पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। फिल्म 14 जून को रिलीज होनी थी। शीर्ष अदालत ने फिल्म पर इस्लामी आस्था और विवाहित मुस्लिम महिलाओं का अपमान करने के आरोपों पर संज्ञान लेते हुए इसके रिलीज पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता अजहर बाशा तंबोली की ओर से पेश हुईं वकील फौजिया शकील की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए बम्बई उच्च न्यायालय से याचिका पर शीघ्र निर्णय लेने को कहा। पीठ ने फिल्म को रिलीज करने पर रोक लगाते हुए कहा, ''हमने सुबह फिल्म का ट्रेलर देखा और ट्रेलर में सभी आपत्तिजनक संवाद अब भी बरकरार हैं।'' पीठ ने बम्बई उच्च न्यायालय द्वारा याचिका का निपटारा किये जाने तक फिल्म रिलीज पर रोक लगा दी।

पाकिस्तान ने कहा कि वह भारतीय चुनावों पर टिप्पणी नहीं करेगा

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह हाल ही में संपन्न भारतीय आम चुनाव या भारत के घरेलू मामलों पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा। विदेश कार्यालय (एफओ) की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान यह टिप्पणी की। जब उनसे भारतीय चुनावों पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान आम चुनाव या भारत के घरेलू मामलों के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के नेतृत्व के बीच पत्रों का कोई आदान-प्रदान नहीं हुआ, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण पर सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी।

सनी देओल ने किया 'बॉर्डर-2' का एलान

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता सनी देओल ने बृहस्पतिवार को 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' के रिलीज होने के 27 साल पूरे होने पर 'बॉर्डर-2' बनाने का एलान किया। निर्माताओं के अनुसार, आगामी फिल्म 'युद्ध पर बनी भारत की सबसे बड़ी फिल्म' होगी और अनुराग सिंह इसका निर्देशन करेंगे। वह 'केसरी' और 'जट्ट एंड जूलियट' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्मकार जेपी दत्ता ने 'बॉर्डर' का निर्देशन किया था। वह जेपी फिल्म्स के तहत अपनी बेटी निधि दत्ता के साथ मिलकर इसका सीक्वल बनाएंगे। फिल्म निर्माताओं में टी-सीरीज के भूषण कुमार और किशन कुमार भी शामिल होंगे।

14-06-2024 सूर्यास्त 6:46 बजे	15-06-2024 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
76,810.90 (+204.33)	23,398.90 (+75.95)

सोना	चांदी
7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,100 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कद की भद

है लोकतंत्र में नहीं खुदा,
कोई भी मंत्री या सांसद।
सब संविधान के हैं अधीन,
सबको है खबर सभी की हद।
करते विरोध जो जायज का,
कुछ वोटों का पा करके मद।
विस्मृत करके वे अपना कद,
उड़वाते हैं खुद की खुद भद।।

देश को अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर रहेगा जोर : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- राजनाथ सिंह ने लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री के तौर पर कार्यभार संभाला
- सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों का कल्याण हमारा मुख्य फोकस रहेगा।

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि अगले पांच वर्षों के दौरान देश को अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सिंह ने लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद कहा कि अगले पांच वर्षों के दौरान अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना के लिए नए सिरे से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमारा उद्देश्य रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ देश के सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करना होगा। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों का कल्याण हमारा मुख्य फोकस रहेगा।'

रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में रक्षा निर्यात को बढ़ाना उनका उद्देश्य होगा। उन्होंने कहा,वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। यह ऐतिहासिक था । हमारा लक्ष्य 2028-2029 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा उपकरण निर्यात करने का होगा। सिंह ने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियारों और प्लेटफार्मों से लैस किया जा रहा है और वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने वीरता और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सैन्य कर्मियों की सराहना की।

नीट-यूजी में प्रश्नपत्र लीक होने का कोई प्रमाण नहीं : प्रधान

बिना तथ्य जाने झूठ फैलाने का विपक्ष पर लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- नीट-यूजी (2024) के 1,563 अभ्यर्थियों को कृपांक (ग्रेस मार्क) देने के फैसले को निरस्त कर दिया गया है और उन्हें 23 जून को पुनः परीक्षा देने का विकल्प मिलेगा : एनटीए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक' (नीट-यूजी) में प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इन दावों की पुष्टि के लिए कोई सबूत नहीं है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया विपक्ष बिना तथ्यों को जाने झूठ फैला रहा है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने चार जून को नीट-यूजी के परिणाम घोषित किए।

प्रधान ने कहा, अभी तक नीट परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी, भ्रष्टाचार या प्रश्नपत्र लीक होने का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। इससे जुड़े सभी तथ्य उच्चतम न्यायालय के समक्ष हैं और विचाराधीन हैं। इस मुद्दे पर जिस तरह की राजनीति की जा रही है, वह केवल भ्रम फैलाने का प्रयास है और इससे छात्रों की मानसिक शांति प्रभावित होती है। उन्होंने कहा, नीट की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने वाली है और इसे राजनीतिक विवाद का विषय बनाना न केवल अनुचित है बल्कि भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने के समान भी है। केंद्र सरकार का ध्यान हमेशा छात्रों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने पर रहता है।''

उनका बयान ऐसे दिन आया है जब एनटीए ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि नीट-यूजी (2024) के 1,563 अभ्यर्थियों को कृपांक (ग्रेस मार्क) देने के फैसले को निरस्त कर दिया गया है और उन्हें 23 जून को पुनः परीक्षा देने का विकल्प मिलेगा।

उल्फा (आई) के तीन सदस्य गिरफ्तार

तेजपुर/भाषा। असम के सोनितपुर जिले में कथित जबरन वसूली की गतिविधियों को लेकर प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तीनों को उस समय गिरफ्तार किया जब वे मिशन चारियाली में एक व्यापारी से जबरन वसूली का प्रयास कर रहे थे।

अजीत डोभाल पुनः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अजीत डोभाल को पुनः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई है। आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक रहेगी।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति ने आईपीएस (सेवानिवृत्त) अधिकारी अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जो 10 जून 2024 से प्रभावी होगी। इसमें कहा गया है कि डोभाल को उनके कार्यकाल के दौरान वरीयता क्रम में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जाएगा।

पी के मिश्रा प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव बने रहेंगे

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी पी के मिश्रा को पुनः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी दी गयी है। आदेश में कहा गया है कि उनकी नियुक्ति 10 जून 2024 से प्रभावी होगी।

कुवैती अधिकारियों ने 45 भारतीयों और फिलीपीन के तीन नागरिकों के शवों की पहचान की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने घटना में घायल हुए कुछ भारतीयों से भी मुलाकात की और उन्हें भारत सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

दुबई/कुवैत सिटी/भाषा। कुवैत के अधिकारियों ने विदेशी श्रमिकों के आवास वाली एक इमारत में आग लगने की घटना में मारे गए 45 भारतीयों और फिलीपीन के तीन नागरिकों के शवों की पहचान कर ली है। एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

कुवैत ने घटना की त्वरित जांच करने और मृतकों के शवों को भेजने में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

दक्षिणी शहर मंगाफ में बुधवार को सात मंजिला इमारत में आग लगने से कम से कम 49 विदेशी श्रमिकों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। इस इमारत में 196 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे।

अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र 'अरब टाइम्स' की खबर के अनुसार प्रथम उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबा ने कहा कि अधिकारियों ने 48 शवों की पहचान कर ली है, जिनमें 45 भारतीय और तीन फिलीपीन के नागरिक हैं।

पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

इटानगर/भाषा। भाजपा के नेता पेमा खांडू ने बृहस्पतिवार को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सीमावर्ती जिले तवांग के मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से निर्विरोध विधायक निर्वाचित हुए खांडू को राज्यपाल के टी परनाइक ने अमित शाह, जेपी नड्डा, हिमंत विश्व शर्मा, प्रेम सिंह तमांग की मौजूदगी में शपथ दिलाई।

ಪಿಎಂ ಶ್ರೀ ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ 18 ಸೆಕ್ಟಾಸ್, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು,

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम,
18वाँ क्रॉस, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु - 560055

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA, MALLESWARAM, 18th Cross, Malleswaram, Bengaluru-560055

KV Code: 1049 Region code: 02 Station Code: 027

No. F.13350/2022-23/KVM/ Date : 08.06.2024

संविदात्मक शिक्षकों के लिए साक्षात्कार

सत्र 2024-25 के लिए, निम्नलिखित पदों के लिए संविदा आधार पर दिनांक 14.06.2024 को प्रदत्त सूचना के अनुसार प्रवेश साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा ।

क्र.	पद / विषय	साक्षात्कार की तिथि और समय
1.	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) - अंग्रेजी , संस्कृत और सामाजिक अध्ययन	14.06.2024 सुबह 9.00 बजे से 11.00 बजे तक
2.	खेल प्रशिक्षक, योग अनुदेशक, शैक्षणिक परामर्शदाता (काउंसलर) और बैंड प्रशिक्षक	

सूचना - योग्यता मानदंड आदि के संबंध में अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट - https://malleshwaram.kvs.ac.in का अवलोकन करें ।

अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय अपने सभी मूल दस्तावेज़ (डॉक्युमेंट्स) छायाप्रति सहित लेकर आएँगे ।

प्राचार्य

शोक संदेश / शवयात्रा

जन्म 8.01.1953

स्वर्गवास 13.06.2024

स्व. लाभचन्दजी मेहता 71 वर्ष

सुपुत्र : स्व. श्री मांगीलालजी-वक्तादेवी मेहता, राजस्थान में खिमेल

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे भाई/पिताश्री लाभचन्दजी मेहता का स्वर्गवास दि. 13.06.2024, गुरुवार को दोपहर में हो गया। विधि के विधान के आगे हम सब नतमस्तक हैं।

शवयात्रा : शुक्रवार, दि. 14.06.2024, दोपहर 3.30 बजे हमारे निवास से विल्सन गार्डन शवदाहगृह जाएगी।

Resi : # 126/6, Bull Temple Road Cross, Opp Marata Hostel, Near Shell Petrol Bunk, Bangalore 560019, Ph : 9845136003(Deepesh), 9986013314 (Pankaj)

प्रार्थना सभा : शनिवार, दि. 15.06.2024, सुबह 10.35 से 12 बजे तक
स्थल : संभवनाथ जैन भवन, डायग्नल रोड, वी वी पुरम, बेंगलूरु

शोकाकुल : भाई : कांतिलाल, बाबूलाल, संजय, दिनेश
धर्मपत्नी : शशि मेहता, पुत्र : देवेन्द्र, दिपेश, विशेष,
पौत्र : ईशान, पौत्री : उर्वी एवं समस्त मेहता परिवार, खिमेल-राजस्थान
पुत्री-पुत्री दामाद : सारिका-मनोजजी शाह, अनीता-पंकजजी खाबिया,

Firm : M. M. Chemicals, Bangalore

ससुराल पक्ष : हरकचन्दजी, अशोकजी, राजेशजी, अक्षयजी भंडारी परिवार, पाली-राजस्थान

नोट : कृपया शॉल-माला नहीं लावें।

आंध्र प्रदेश को नंबर एक राज्य बनाना है: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोगों ने अभी तक तीन बार उनकी सरकार देखी है, लेकिन अब वे उनका '4.0 अवतार' देखेंगे और उनका लक्ष्य इसे नंबर एक राज्य बनाना है। नायडू ने बुधवार को केसरापल्ली में चौथे कार्यकाल के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर शपथ ली थी।

नायडू ने संवाददाताओं से कहा, ''आपने अभी तक 1.0, 2.0, 3.0 देखा है, लेकिन अब आप मेरा 4.0 अवतार देखेंगे। इसलिए मैं अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं समेत सभी लोगों से पिछले पांच साल में हुए नुकसान की भरपाई के लिए मिलकर काम करने की अपील करता हूं। आइए हम सब मिलकर काम करें और आगे बढ़ें।'' नायडू ने आरोप लगाया कि पिछले पांच साल में राज्य पिछड़ गया है और वह इसका गौरव पुनः दिलाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने यह भी संभावना जताई की कि भारत 2047 तक दुनिया में पहले या दूसरे स्थान पर होगा और वह तेलुगु लोगों को शीर्ष पर देखना चाहते हैं। नायडू ने कहा, ''2047 तक मेरा लक्ष्य है कि तेलुगु लोग दुनिया में पहले नंबर पर हों। गरीबी को जल्द से जल्द खत्म किया जाए। ऐसा राज्य बनाया जाए जहां कोई गरीब न हो। आंध्र प्रदेश को नंबर एक राज्य बनाना है।'' परिवार के साथ तिरुमला में स्थित प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद कहा, ''वह कोई भी शुभ काम करने से पहले भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''सुबह उठने के बाद मैं राज्य की समृद्धि के लिए वेंकटेश्वर स्वामी से प्रार्थना करता हूं। आजकल मैं भारत को दुनिया में पहले स्थान पर लाने के लिए प्रार्थना करता हूं। भारतीयों में भी तेलुगु लोग शीर्ष पर होने चाहिए।

नायडू ने कहा कि आय का सृजन महत्वपूर्ण है और 'यह गरीबों तक भी पहुंचना चाहिए', न कि 'केवल कुछ हाथों में केंद्रित होना चाहिए'। उन्होंने कहा कि एक ऐसा समाज होना चाहिए जिसमें कोई गरीब न हो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार दुनियाभर में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिरों का निर्माण करवाने पर भी विचार करेगी। नायडू ने बृहस्पतिवार सुबह परिवार के साथ तिरुमला में स्थित प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उनके बेटे और मंत्रिमंडल के सदस्य नारा लोकेश भी मौजूद थे।

मंदिर प्रशासन और पुजारियों ने नायडू का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया तथा उन्हें तीर्थम (पवित्र जल) और प्रसाद भेंट किया।

मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री शाम को अमरावती लौट जाएंगे और सचिवालय में कार्यभार संभालेंगे।

मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंचने के बाद मेगा डीएससी (शिक्षक भर्ती), भूमि स्वामित्व अधिनियम को रद्द करना और कल्याणकारी पेंशन को बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति माह करने सहित कई फाइल को मंजूरी देंगे।

वह 'अन्ना कैंटीन' को दोबारा शुरू करने और कौशल गणना से संबंधित फाइल को भी मंजूरी दे सकते हैं।

आंध्र प्रदेश: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को सचिवालय में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रथम ब्लॉक स्थित अपने कक्ष में पदभार संभाला।

नायडू ने बुधवार को केसरपल्ले में मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। मुख्यमंत्री ने सचिवालय पहुंचने से पहले तिरुपति और विजयवाड़ा दुर्गा मंदिर में दर्शन किये ।

सचिवालय जाते समय अमरावती के किसानों ने मुख्यमंत्री पर फूलों की वर्षा की और शहर से गुजरते समय 'जय बाबू' के नारे लगाए। राजधानी में नायडू के स्वागत में कई जगह बैनर और पोस्टर लगाए गए थे।

अपनी पत्नी एन. भुवनेश्वरी के साथ सचिवालय पहुंचे मुख्यमंत्री का मुख्य सचिव नीरव कुमार प्रसाद और अन्य अधिकारियों ने भव्य स्वागत किया।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का पूर्ण एफएमसीजी कंपनी बनने का लक्ष्य : चंद्रशेखरन

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) एक पूर्ण एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपयोग की घरेलू वस्तुओं) कंपनी बनने का लक्ष्य लेकर चल रही है। चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने यह बात कही है। कंपनी की योजना नई श्रेणियों में उतरने की है और उसने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने पूंजीगत व्यय को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 785 करोड़ रुपये कर दिया है। इसका एक प्रमुख हिस्सा वियतनाम में नए संयंत्र पर खर्च किया जाएगा। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के सवालों के जवाब देते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी वित्तीय व्यवहार्यता और वृद्धि के अवसरों को देखते हुए अधिग्रहण पर विचार करेगी। चंद्रशेखरन टाटा संस के भी चेयरमैन हैं। मोटा अनाज एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर कंपनी ध्यान केंद्रित करना चाहती है और अधिक उत्पाद पेश करना चाहती है। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी केवल पेय और खाद्य पदार्थों पर ही ध्यान केंद्रित करेगी या यह पूर्ण रूप से एफएमसीजी कंपनी बनेगी, चंद्रशेखरन ने कहा, ''योजना पूर्ण रूप से एफएमसीजी कंपनी बनने की है।''

टैंकर माफिया पर लगाम लगाने भर से दिल्ली में जल संकट खत्म नहीं होने वाला : आतिशी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि शहर में पानी की उपलब्धता में प्रतिदिन 50 मिलियन गैलन की कमी आ रही है और मौजूदा संकट का समाधान केवल टैंकर माफिया पर लगाम लगाकर नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया, कोई बड़ी लीकेज नहीं है, यह अफवाह है। अगर पाइपलाइनों में कोई गड़बड़ी होती है तो उसे 12 घंटे में ठीक कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हालिया 'ऑडिट' में दिखा है कि दिल्ली में पानी की लीकेज अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में कम है। आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शहर में वास्तव में जल संकट है।

उन्होंने लोगों से पानी की बर्बादी करने से बाज आने की अपील की। उन्होंने कहा कि यमुना नदी और अन्य स्रोतों से प्राप्त पानी की पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण दिल्ली में औसत जल उपलब्धता काफी कम हो गई है, जो छह दिन पहले 1,000-1,005 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) थी।

'आप' सरकार पानी की बर्बादी रोकने में विफल : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा और उस पर पानी की बर्बादी रोकने में विफल रहने तथा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। भाजपा की दिल्ली इकाई की सचिव एवं नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पानी की कमी के कारण लोगों को टैंकर माफिया द्वारा लूटा जा रहा है।

इससे पहले दिन में पुलिस ने मुनक नहर क्षेत्र में टैंकर माफिया की गतिविधियां रोकने के लिए गश्त शुरू की और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने दक्षिण दिल्ली के निवासियों को पानी की आपूर्ति करने वाले पाइपलाइन नेटवर्क का निरीक्षण किया। आतिशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली सरकार शहर भर में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) द्वारा गश्त के जरिए सुनिश्चित कर रही है कि, मुख्य पाइपलाइन से रिसाव के कारण एक बूंद पानी भी बर्बाद न हो। आतिशी पर निशाना साधते हुए स्वराज ने आरोप लगाया कि टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के बजाय मंत्री उन्हें संरक्षण दे रही हैं। उन्होंने कहा, ''आतिशी का कहना है कि यदि टैंकर माफिया पर अंकुश लगाया जाये तो भी ज्यादा पानी नहीं बचेगा। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि पानी की कमी से जूझ रहे लोगों को टैंकर माफिया द्वारा लूटा जा रहा है।'' भाजपा नेता ने पानी की बर्बादी और रिसाव को रोकने में विफल रहने तथा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने के लिए 'आप' सरकार की आलोचना की। स्वराज ने कहा, ''मैं 'आप' सरकार और आतिशी से पूछना चाहती हूं कि वे कब तक बहाने बनाते रहेंगे और लोगों को गुमराह करते रहेंगे। उन्हें अपने वातानुकूलित प्रेस वार्ता कक्ष से बाहर आकर लोगों की परेशानी देखनी चाहिए।''

जी किशन रेड्डी ने कोयला और खान मंत्रालय का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी किशन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को कोयला और खान मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए तथा कोयले का आयात कम करना चाहिए।

नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली पिछली सरकार में दोनों मंत्रालयों का नेतृत्व प्रहलाद जोशी कर रहे थे। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री जोशी भी उपस्थित रहे। उन्होंने रेड्डी को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यभार संभालने के बाद रेड्डी ने कहा, ''हमें आयात कम करना चाहिए और घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए।'' वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7% बढ़कर 26.82 करोड़ टन हो गया। 10 साल पहले देश में कोयले की कमी थी और इस वजह से बिजली की भी कमी हुई लेकिन पिछले 10 वर्षों में पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध है। खनन क्षेत्र के लिए उनकी सरकार की प्राथमिकता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, '' मैंने अभी कार्यभार संभाला है और मैं विभाग की समीक्षा करूंगा... पहले मैं अपने अधिकारियों से मिलना चाहता हूं, उसके बाद ही कुछ कह पाऊंगा। मैं पहले समीक्षा करना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा कि भारत को मजबूत बनाने के लिए कोयला मंत्रालय और खान मंत्रालय दोनों अग्रणी भूमिका में होंगे। आने वाले पांच वर्षों में हम दृढ़ संकल्प, समर्पण, अनुशासन और निष्ठा के साथ काम करेंगे।

कार्ति का रेल मंत्री से आग्रह: बुजुर्गों के लिए किराये में छूट बहाल की जाए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से वरिष्ठ नागरिकों को किराये में रियायत बहाल करने का आग्रह किया और कहा कि उन करोड़ों लोगों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए जो इस परिवहन सेवा का इस्तेमाल करते हैं। वैष्णव को लिखे पत्र में चिदंबरम ने कई मुद्दों का उल्लेख किया और कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल आवश्यकता है कि भारतीय रेल की सेवा यात्रियों के अनुकूल रहे और नागरिकों को एक सहज एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करे। तमिलनाडु के शिवगंगा से कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मार्च, 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण वरिष्ठ नागरिकों को किराये में मिलने वाली रियायत का निलंबन एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। महामारी से संबंधित प्रतिबंध 2021 में समाप्त हो गए, लेकिन रियायत 2024 तक बहाल नहीं की गई है।'' पहले 60 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों और 58 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को क्रमशः 40% और 50% की रियायत मिलती थी।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में सीआरपीएफ की बस में लगी आग, कोई हताहत नहीं

रामबन/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की बस में तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बस श्रीनगर से जम्मू जा रही थी और इसमें सवार जवान सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के काफिले की बस में दोपहर को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के निकट आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और कोई हताहत नहीं हुआ है। वाहन को थोड़ा बहुत नुकसान हुआ है।

जम्मू-कश्मीर बस आतंकी हमला : 50 लोग हिरासत में, जांच दायरा दूरस्थ क्षेत्रों तक बढ़ाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में हाल में तीर्थयात्रियों से भरी एक बस पर हुए आतंकवादी हमले की जांच के सिलसिले में 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि समग्र जांच सुनिश्चित करने के वास्ते आतंकवादियों की धर-पकड़ के लिए तलाशी अभियान का दायरा रियासी जिले के अरनास और माहौर जैसे दूर दराज के क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है जो 1995 और 2005 के बीच आतंकवादियों के गढ़ हुआ करते थे। तीर्थयात्रियों को लेकर शिवखोड़ी मंदिर से लेकर माता वैष्णोदेवी जा रही एक बस पर रविवार को आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इस गोलीबारी के बाद बस खाई में गिर गयी थी जिससे नौ लोगों की मौत हो गयी थी तथा 49 अन्य घायल हो गये थे। बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्री सवार थे। एक पुलिस प्रवक्ता ने 50 संदिग्धों को हिरासत में लिये जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस समग्र जांच कर रही है। उन्होंने कहा, '' अहम सुराग सामने आये हैं जिससे उन लोगों की पहचान एवं गिरफ्तारी में मदद मिल रही है जिनका इस हमले की पूरी साजिश में हाथ हो सकता है। समग्र जांच सुनिश्चित करने के वास्ते तलाशी अभियान का दायरा अरनास और माहौर जैसे दूर दराज के क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है।'' उन्होंने कहा कि इन अभियानों का लक्ष्य अधिक से अधिक सबूतों को जुटाना तथा उन आतंकवादियों को पकड़ना है जो इन सुदूर इलाकों में छिपे हो सकते हैं। पुलिस पहले ही आतंकवादियों में से एक का स्केच जारी कर चुकी है। उसने अपराधियों के सफाये के वास्ते जरूरी सुराग देने पर 20 लाख रुपये का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। प्रवक्ता ने कहा, '' कानून को लागू करने वाली एजेंसियां दोषियों को इंसाफ के कठघरे में लाने तथा इस क्षेत्र के सभी निवासियों एवं आंगुतकों/पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध हैं।'' रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने लोगों से सावधान रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की है।

भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा : मूडीज

नई दिल्ली/भाषा। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत वर्ष 2024 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा और पिछले साल की घरेलू स्तर पर जारी रफ्तार को बनाए रखेगा। मूडीज रेटिंग्स ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए दूसरी छमाही के साख परिदृश्य पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि इंडोनेशिया, फिलिपीन और भारत 2024 की पहली छमाही में वृद्धि के मामले में सबसे आगे रहेंगे। ये देश बढ़ते निर्यात, स्थानीय मांग एवं बुनियादी ढांचे पर सरकारी व्यय के दम पर कोविड-पूर्व वृद्धि आंकड़ों से बेहतर प्रदर्शन करना जारी रखेंगे। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''भारत घरेलू स्तर पर जारी रफ्तार को पिछले साल की तरह बरकरार रखते हुए क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हम आम चुनाव के बाद नीतियों में निरंतरता और ढांचागत विकास एवं निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहन पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद करते हैं।''

मूडीज ने कहा कि मजबूत कॉरपोरेट ऋण पैमाने और आकर्षक मूल्यांकन के कारण भारत और आसियान देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत पोर्टफोलियो प्रवाह की संभावना है। रेटिंग एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि भारत चुनाव के बाद की नीतिगत निरंतरता के दम पर इस साल 6.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा और वर्ष 2025 में इसकी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी।

नागपुर के निकट कारखाने में हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत, तीन घायल

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में नागपुर शहर के निकट विस्फोटक बनाने वाले एक कारखाने में बृहस्पतिवार अपराह्न हुए विस्फोट में पांच महिलाओं समेत छह श्रमिकों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना नागपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर हिंगना पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत धमना गांव में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड में दोपहर एक बजे हुई।

नागपुर के पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंघल ने बताया कि कुल नौ घायलों को दो निजी अस्पतालों में लाया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से पांच महिलाओं और एक पुरुष की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस समय विस्फोट हुआ तब ज्यादातर श्रमिक विस्फोटक सामग्री पैक कर रहे थे। जांच जारी है। केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी ने हादसे पर संवेदना व्यक्त की। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा कि भाजपा नेता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से शाम को आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम को रद्द करने की भी अपील की है।

ऑनलाइन ऑर्डर कर मंगाई गई आइस्क्रीम में मानव के कटे हुए अंगूठे का टुकड़ा निकला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के मलाड में एक व्यक्ति की आइस्क्रीम की खुशी उस वक्त गायब हो गई जब ऑनलाइन ऑर्डर कर मंगाई 'कोन' आइस्क्रीम में इंसान के अंगूठे की तरह दिखने वाला मांस का टुकड़ा मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को दोपहर में हुई थी, जिसके बाद व्यक्ति ने पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार मलाड निवासी और पेशे से चिकित्सक 26 वर्षीय ब्रेंडन फेराओ के साथ यह वाकया हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''फेराओ ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने 'यम्मो कंपनी' की बटरस्कॉच कोन आइसक्रीम के लिए ऑनलाइन ऑर्डर दिया था। जब वह दोपहर में खाना खाने के बाद आइसक्रीम खा रहे थे तो कोन में से एक मांस का टुकड़ा निकला, जिसमें नाखून भी था।'' उसने बताया कि फेराओ ने यह मुद्दा उठाते हुए आइसक्रीम कंपनी के इंस्टाग्राम पेज पर इसकी शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि शिकायत करने पर कंपनी ने कोई उचित जवाब नहीं दिया, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने मांस के टुकड़े को बर्फ की थैली में रखा और मलाड पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई।

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के उम्मीदवार के रूप में बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल किए।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्य के मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि हालांकि वह चुनाव लड़ने के इच्छुक थे, लेकिन वह सुनेत्रा पवार के नामांकन से नाराज नहीं हैं। उन्होंने इस कदम को सामूहिक निर्णय बताया। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में सुनेत्रा पवार को बारामती निर्वाचन क्षेत्र से हार का सामना करना पड़ा था। पवार को उनकी ननद सुप्रिया सुले ने पराजित किया था।

पवार को पराजित कर सुले ने इस संसदीय क्षेत्र से लगातार चौथी जीत दर्ज की। राकांपा के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने कहा, ''राकांपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए सुनेत्रा पवार को मैदान में उतारने का फैसला किया है। यहां तक कि मैं भी चुनाव लड़ने को इच्छुक था, लेकिन बुधवार शाम एक बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने उनका नाम तय कर दिया।'' राज्यसभा सचिवालय ने पिछले दिनों संसद के ऊपरी सदन में 10 रिक्तियों को अधिसूचित किया था।

देश को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कर दरें कम करने, आधार बढ़ाने की जरूरत : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

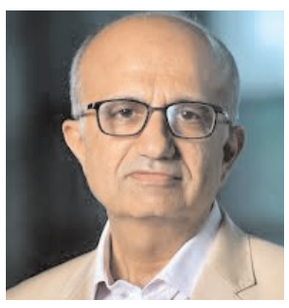

नई दिल्ली/भाषा। भारत को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने लिए कर निर्धारण को लेकर अपने रुख में बदलाव करते हुए कर दरों में कटौती और आधार को बढ़ाकर कर राजस्व में वृद्धि करने की जरूरत है। विशेषज्ञों ने यह बात कही है।

उन्होंने कर दरों को कम करने, कर-भुगतान आधार को बढ़ाने और इस प्रकार भारत की निवेश तथा विकास आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए साधन बनाने पर ध्यान देते हुए कर दरों से राजस्व की ओर बढ़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया। ईवाई इंडिया के वरिष्ठ साझेदार सुधीर कपाड़िया ने कहा, '' पारंपरिक उच्च कर दरों के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण कर उछाल नहीं आया है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए भारत में 1991 के बाद से सरकारों ने स्पष्ट रूप से मध्यम कर दरों की वकालत की है जिससे अधिक पारदर्शिता तथा अनुपालन को बढ़ावा मिलता है।'' थॉट आर्बिट्रेज रिसर्च इंस्टिट्यूट के निदेशक कौशिक दत्ता ने 'थिंक चेंज फोरम' द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि भारत का कर-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात एक संपन्न असंगठित क्षेत्र की उपस्थिति से प्रभावित है, जो अब भी अर्थव्यवस्था में 30 से 35 प्रतिशत का योगदान देता है। दत्ता ने कहा, ''सरल जीएसटी व्यवस्था से वे औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल हो सकेंगे, 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' ले सकेंगे और प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। वर्गीकरण के मुद्दों के साथ-साथ कर चोरी भी एक बड़ी चुनौती है...एक अन्य क्षेत्र जिसमें जीएसटी सफल नहीं हो पाया है, वह है ई-कॉमर्स... चुनौतियां हैं और उनका समाधान किया जाना चाहिए।''

सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकनॉमिक्स के पुलिन बी. नायक ने कहा, '' भारत अब भी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के समूह में है। प्रति व्यक्ति आय कम होने के कारण आयकरदाता कम हैं। कर की दरें बहुत अधिक रखना भी एक अनुचित विचार है क्योंकि इससे कर चोरी को बढ़ावा मिलेगा ...'' नायक ने कहा कि कर-जीडीपी अनुपात को बढ़ाना बहुत बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि इससे सरकार सार्वजनिक वस्तुओं, बुनियादी ढांचे और सामाजिक क्षेत्र पर खर्च करने में सक्षम होगी। थिंक चेंज फोरम के महासचिव रंगनाथ तन्निर ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कराधान में सुधार समय की मांग है। सरकार को जल्द से जल्द कर की दरें कम करने और करदाताओं का आधार बढ़ाने पर विचार करना चाहिए।

संबोधन

सांसद जगदीश शेट्टर गुरुवार को बेलगावी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

पॉक्सो मामले में पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामले में गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। येडीयुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के मामले की जांच कर रहे अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने पहले उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्होंने (येडीयुरप्पा) सीआईडी के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए समय मांगा था।

येडीयुरप्पा के करीबी सूत्रों ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता फिलहाल दिल्ली में हैं और उनके लौटने के बाद जांच में शामिल होने की संभावना है। पुलिस के अनुसार, येडीयुरप्पा पर एक 17 वर्षीय किशोरी की मां की शिकायत के आधार पर पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। किशोरी की मां ने येडीयुरप्पा पर आरोप लगाया है कि

उन्होंने इस साल दो फरवरी को डॉलर्स कॉलोनी स्थित अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया।

सदाशिवनगर पुलिस द्वारा 14 मार्च को मामला दर्ज किये जाने के कुछ ही घंटों बाद कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने एक आदेश जारी कर मामले को तत्काल प्रभाव से जांच के लिए सीआईडी को स्थानांतरित कर दिया था। येडीयुरप्पा के खिलाफ आरोप लगाने वाली 54 वर्षीय महिला का पिछले महीने एक निजी अस्पताल में फेफड़ों के कैंसर के कारण निधन हो गया था। येडीयुरप्पा (81) ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि वह कानूनी रूप से इस मामले को लड़ेंगे।

अप्रैल में सीआईडी ने येडीयुरप्पा को कार्यालय में बुलाकर उनकी आवाज का नमूना एकत्र किया था। इस बीच, सरकार ने मामले में सीआईडी ङ्क्काका प्रतिनिधित्व करने के लिए विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) अशोक एच. नायक को नियुक्त किया है। येडीयुरप्पा ने प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की है और अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

नीट विवाद : तमिलनाडु सरकार ने केंद्र को लिया आड़े हाथ, परीक्षा समाप्त करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने गुरुवार को चिकित्सकीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के आयोजन में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र की आलोचना की और कहा कि छात्रों को कृपांक देना 'अस्वीकार्य' है क्योंकि यह धोखाधड़ी के समान है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एम सुब्रमण्यन ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा के खिलाफ देश भर में बढ़ते आक्रोश और विरोध ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) की इस परीक्षा को समाप्त करने की बार-बार की गई अपील को और बल दिया है।

सुब्रमण्यन ने कहा, परीक्षा के संचालन, खासकर कृपांक देने के कारण होने वाली अनियमितताओं और भ्रम के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को दोषी ठहराया जाना चाहिए।

कृपांक देने का आधार क्या था और क्या इस निर्णय के बारे में 'नीट' के उम्मीदवारों को सूचित किया गया है? राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि अनियमितताओं और भ्रम के कारण परीक्षा में शामिल हुए 23 लाख अभ्यर्थियों को मानसिक पीड़ा हुई है। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु से किसी भी अभ्यर्थी को कृपांक नहीं दिया गया है।

इससे पहले दिन में, केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 1,563 नीट-यूजी 2024 उम्मीदवारों को कृपांक देने का निर्णय रद्द कर दिया गया है। इन उम्मीदवार को 23 जून को फिर से परीक्षा में बैठने का विकल्प दिया जाएगा। सुब्रमण्यन ने कहा, राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा को खत्म करने की मांग अब पूरे भारत में सुनी जा रही है। द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन भी इस परीक्षा को खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। केंद्र सरकार को कम से कम अब नीट परीक्षा को रद्द करने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी पार्टी प्रमुख और दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता के विरोध के बावजूद राज्य में राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा को अनुमति दी। अभ्यर्थियों के लिए न्याय की मांग करते हुए स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यन ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा ने कई छात्रों, खासकर ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के मौके से वंचित कर दिया है।

एमबीबीएस के लिए चयन तरीके में राज्य सरकारों की भूमिका बहाल की जाए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नीट 2024 में दिये गये 'कृपांक' को रद्द करने पर केंद्र का राजी होना उसकी अपनी अयोग्यता' पर एक और स्वीकारोक्ति है । उन्होंने एमबीबीएस के चयन की प्रविधि तय करने में राज्य सरकारों की भूमिका बहाल करने की पैरवी की।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कृपांक रद्द करने पर सहमत होकर हाल के नीट घोटाला से बच निकलने की केंद्र सरकार की कोशिश उसकी अपनी अपनी अयोग्यता पर एक और स्वीकारोक्ति है। राज्यों के अधिकार छीनने के बाद, उसे अनियमितताओं और परीक्षाओं के गैर-पेशेवर संचालन की मूल समस्याओं से ध्यान हटाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

उन्होंने लिखा, ''उनकी अक्षमता तथा लाखों विद्यार्थियों की परेशानियों के प्रति उसकी उदासीनता की निंदा करते हुए हम दोहराते हैं कि इस मुद्दे का एकमात्र हल एमबीबीएस पाठ्यक्रमों के वास्ते चयन की प्रविधि तय करने में राज्य सरकारों की भूमिका बहाल करना है।'' तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़कर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) तथा मुख्य विपक्षी दल अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नीट के खिलाफ हैं और वे इस व्यवस्था को समाप्त किये जाने के पक्ष में हैं।

जरूरत पड़ने पर येडीयुरप्पा को पॉक्सो मामले में किया जा सकता है गिरफ्तार : गृह मंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येडीयुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण' (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामले की जांच कर रहे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया है और अगर जरूरत पड़ी तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''नोटिस भेज दिया गया है और आरोप पत्र 15 जून तक दाखिल किया जाना है। इससे पहले वे (सीआईडी) आरोप पत्र दाखिल करें उन्हें इसके लिए प्रक्रिया का पालन करना होगा। उन्हें येडीयुरप्पा का बयान दर्ज करना होगा और उन्हें (अदालत में) पेश करना होगा। ये सब प्रक्रियाएं हैं और विभाग इसका पालन करेगा।''

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। मैं यह नहीं कह सकता कि ये जरूरी है। इसका फैसला सीआईडी करेगी। अगर उन्हें जरूरत महसूस होती है तो वह ऐसा करेंगे।'' सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के कद्दावर नेता फिलहाल दिल्ली में हैं और लौटने के बाद जांच में शामिल हो सकते हैं।

अभिनेता दर्शन की गिरफ्तारी

सीसीटीवी फुटेज से रेणुकास्वामी के संदिग्ध अपहरण का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। रेणुकास्वामी हत्या मामले की जांच कर रही पुलिस टीम को सीसीटीवी फुटेज मिली है, जिसमें कन्नड़ फिल्म स्टार दर्शन थुगुदीपा के कुछ सहयोगियों द्वारा पीड़ित का संदिग्ध अपहरण दिखता है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि फुटेज में एक व्यक्ति किसी से बात करते और फिर कार में बैठते हुए दिखता है। उन्होंने कहा कि समझा जाता है कि वह व्यक्ति रेणुकास्वामी था।

पुलिस को संदेह है कि दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी को उसके अपहरणकर्ताओं के साथ जाने के लिए प्रलोभन दिया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, इसके बाद उसे सीधे

बेंगलूरु ले जाया गया, जहां उसे प्रताड़ित कर मार डाला गया। पुलिस ने हत्या के आरोप में दर्शन और उसकी मित्र एवं अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के साथ-साथ 13 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार चैलेंजिंग स्टार के नाम से मशहूर दर्शन पीड़ित रेणुकास्वामी से नाराज थे, क्योंकि रेणुकास्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश और तस्वीरें भेजी थीं।

कुवैत अग्निकांड : कोट्टायम के दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम। केरल के पम्पाडी के रहने वाले, तीन भाईयों में सबसे बड़े, 29 वर्षीय स्टेफिन अब्राहम साबू पिछले 13 वर्षों से किराये के मकान में रहने के बाद अगस्त तक अपने नवनिर्मित घर में जाने के लिए उत्साहित थे। हालांकि उनके किराये के मकान में रह रहे परिवार में तब शोक की लहर छा गई, जब अपुष्ट खबरें आईं कि कुवैत में लगी आग वाली इमारत में वह भी मौजूद थे। कुवैत अग्निकांड में 40 भारतीयों सहित कुल 49 लोगों की मृत्यु हो गई है।

मकान मालिक ने बताया, दो दिन पहले ही उसने अपनी मां को फोन करके नए घर के निर्माण कार्य के बारे में पूछा था। वे लोग भी अपने नए घर में जाने को लेकर उत्साहित थे। वे यहां 13 साल से किराए पर रह रहे हैं। साबू की शादी की भी तैयारी चल रही थी। मकान मालिक ने कहा, कुछ भी तय नहीं था। परिवार वालों ने लड़की को देखा था। वे साबू के लौटने और नए घर में जाने के बाद प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने साबू को बेहतरीन और एक मेहनती छात्र के रूप में याद किया। उन्होंने कहा, उसके भाई भी पढ़ाई में बहुत अच्छे थे। सबसे छोटा भाई इजराइल में काम कर रहा है और बीच वाला कुवैत में।

स्टेफिन साबू के अलावा कोट्टायम निवासी 27 वर्षीय श्रीहरि प्रदीप भी कुवैत की उसी इमारत में रह रहे थे, जिसमें आग लगी थी। उसके पिता प्रदीप भी कुवैत में काम कर रहे हैं। परिवार के एक मित्र ने संवाददाताओं को बताया कि श्रीहरि पिछले सप्ताह 5 जून को कुवैत वापस चले गए थे। उन्होंने कहा, मुश्किल से एक हफ्ते बाद ही उनकी मौत की खबर यहां आई। हमें कल दोपहर को इसकी जानकारी मिली। टीवी पर इस त्रासदी के बारे में खबरें आ रही थीं, इसी बीच उनके पिता ने परिवार को इसकी सूचना दी।

उन्होंने बताया कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग से संबंधित नौकरी नहीं मिलने तक श्रीहरि कुवैत में एक सुपरमार्केट में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा, उनके पिता आज केरल वापस आने की कोशिश कर रहे हैं और कल तक श्रीहरि का शव वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ-साथ कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने भी आग में मारे गए भारतीयों की पहचान की अधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कुवैत के अधिकारियों के अनुसार, यहां के अहमदी गवर्नरेट के मंगाफ में स्थित सात मंजिला इमारत में लगी भीषण आग में करीब 40 भारतीयों सहित 49 प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए हैं।

दूषित जल पीने से दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले के मधुगिरि तालुका के चिन्नेनाहल्ली गांव में दूषित जल पीने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार बुधवार को यहां एक अस्पताल में जान गंवाने वाले चिक्कादासप्पा (76) और पेद्दान्ना (72) उन लगभग 100 लोगों में शामिल हैं, जो ग्रामीण मेले के दौरान टंकी और पेयजल इकाई का पानी पीने के बाद 10 जून को बीमार पड़ गए थे।

जिले के प्रभारी मंत्री परमेश्वर आज अस्पताल पहुंचे और इलाज करा रहे लोगों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पत्रकारों से कहा, चिन्नेनाहल्ली में एक मंदिर मेले का आयोजन किया गया था और ऐसी खबरें हैं कि दूषित पानी पीने के कारण सौ से अधिक लोग उल्टी और दस्त से पीड़ित हो गए।

उनमें से कुछ लोग मधुगिरि, कोराटेगेरे और तुमकुरु के निजी अस्पतालों में भर्ती हुए और जिला प्रशासन ने भी प्रभावित लोगों को तुमकुरु अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने बताया कि यहां अस्पताल में दो लोगों की मौत हो गई है।

मंत्री ने कहा कि गांव के पीडीओ (पंचायत विकास अधिकारी) और जलकर्मी को निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उन्होंने एहतियाती कदम नहीं उठाए थे।

रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में पुलिस ने दर्शन के दो और साथियों को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक पुलिस ने कन्नड़ अभिनेता और हत्या के आरोपी दर्शन थुगुदीपा के करीबी सहयोगी नागराज और सह-कलाकार प्रदोष को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नागराज दर्शन थुगुदीपा का करीबी है और वह उसके सारे काम देखता था। मैसूरु में स्थित दर्शन के फार्महाउस की देखरेख भी वही कर रहा था। हत्या के आरोप में दर्शन और उसकी मित्र एवं अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के साथ-साथ 11 अन्य लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद से ही नागराज फरार था। पुलिस सूत्रों ने रेणुकास्वामी की हत्या में दर्शन के सह-कलाकार प्रदोष की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। जिन फिल्मों में दर्शन मुख्य भूमिका में थे, उनमें से कुछ में प्रदोष ने छोटी भूमिकाएं निभाई हैं। चित्रदुर्गा के रेणुकास्वामी की आठ जून की रात को हुई हत्या के सिलसिले में पुलिस ने अभिनेता दर्शन और उनके साथियों को गिरफ्तार किया है। रेणुकास्वामी पर दर्शन की दोस्त और अभिनेत्री पवित्रा को अश्लील संदेश भेजने का आरोप है। हत्या के बाद उसके शव को कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने की सीमा के पास एक नाले में फेंक दिया गया था।

पुलिस को इस हत्या के बारे में तब पता चला, जब खाना पहुंचाने वाले लड़के (फूड डिलीवरी बॉय) ने उन्हें सूचना दी कि कुत्ते एक शव को नोंच-नोंच कर खा रहे हैं।

कारगिल युद्ध विजय दिवस मोटर साइकिल रैली कोयम्बटूर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। कारगिल युद्ध विजय दिवस मोटर साइकिल रैली का शहर में पहुंचने पर 'भारत माता की जय' जयघोषों के साथ भव्य स्वागत किया गया। कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती के मौके पर भारतीय थल सेना द्वारा 4 हजार किलोमीटर लम्बी मोटर साइकिल अभियान का गत बुधवार को भारत के अंतिम छोर धनुषकोड़ी से शुभारंभ हुआ।

धनुषकोडी से कोयम्बटूर का 405 किलोमीटर लम्बा सफर कुछ कठिनाईयों के बावजूद शाम 4 बजे रेस कोर्स स्थित थॉमस पार्क में आठ मोटरसाइकिल सवार भारतीय सेना के योद्धाओं का स्वागत किया गया।

इनका स्वागत 200 से अधिक नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के होनहार कैडेटसों ने किया। भारत माता की जयघोषों के साथ सभी का स्वागत किया गया। कोयम्बटूर नगर पुलिस आयुक्त वी बालकृष्णा, भारतीय सेना के 35 फील्ड आर्टिलरी इंफेंट्री के चीफ कमांडिंग ऑफिसर कॅर्नल राजन, ड्यूटी कमांडेंट राजेश मलिक, एचपीसीएल के रिजीनल मैनेजर विष्णु रेड्डी और अन्य अधिकारी ने स्वागत किया और 8 मोटर साइकिल योद्धा का समान किया। इस कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पुलिस और भारतीय सेना का काम एक जैसा है। आप बाहर के देश के दुश्मन से लड़ते हैं और हम देश के अंदर के दुश्मन से लड़ते हैं।

आप को और पुलिस में दोनों वर्दी को सामान्य रूप से ज्यादा प्यार करते हैं। दोनो वर्दी के लिए और देश के लिए अपनी जान की कुर्बानी दे देते हैं। मोटर साइकिल के ग्रुप लीडर कर्नल मनोज नायर ने कहा कि एनसीसी कैडेटस देश के भवश्य हैं, हम जैसे सैनिक कुछ साल पहले आप जैसे उस पार खड़े थे, आज काफी मेहनत के बाद हम आपको इस तरह सलाह दे रहे है, वो दिन दूर नहीं तब आप लोग हमारी जगह लेंगे और उस पार नई एनसीसी की पीढ़ी रहेंगी। कारगिल में शाहिद हुए स्थानीय शहीदों के परिवार के सदस्य को पुलिस कमिश्नर और सेना के अधिकारियों ने सम्मान किया गया।

पत्रकार को सेना के अधिकारी मुथू गणेश ने जानकारी दी की आज यह 8 मोटरसाइकिल योद्धा की टीम जिसमे एक डॉक्टर भी शामिल हैं, वो आज मधुकराई सेना कैंप में रात को रुक कर कल सुबह शुक्रवार को बेंगलूरु के लिए रवाना होंगे।

मद्रास उच्च न्यायालय ने कनिष्ठ अधिवक्ताओं को 20 हजार रुपये प्रतिमाह वजीफा देने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल (बीसीटीपी) को निर्देश दिया है कि वह बीसीटीपी में पंजीकृत सभी वकीलों और वरिष्ठ वकीलों को चेन्नई, कोयंबटूर और मदुरै में अपने कनिष्ठ वकीलों को न्यूनतम 20,000 रुपये प्रति माह वजीफा देने के लिए चार सप्ताह में दिशानिर्देश जारी करे। न्यायमूर्ति एस. एम. सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति सी. कुमारप्पन की खंडपीठ ने पुडुचेरी में अधिवक्ता कल्याण निधि योजना को लागू करने की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करते हुए यह निर्देश दिया। याचिकाकर्ता फरीदा बेगम ने अपने लिए भी 25 लाख रुपये का मुआवजा मांगा। पीठ ने कहा कि किसी जूनियर अधिवक्ता की सेवाएं लेने वाले किसी भी अधिवक्ता/वरिष्ठ अधिवक्ता को तमिलनाडु और पुडुचेरी के अन्य क्षेत्रों में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं को न्यूनतम 15,000 रुपये प्रति माह का वजीफा देना होगा। पीठ ने मामले को 22 जून, 2024 को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 (फोन : 080-28094541, 28094186) द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

कार्य का नाम	इस्ट्रैक, बेंगलूरु में एससीसी परिसर में टीटी यार्ड में बिजली आपूर्ति के विस्तार के लिए विद्युत कार्य।	एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में सब-स्टेशन का उन्नयन, सामान्य आपूर्ति एमवी पैनलों का प्रतिस्थापन और संवर्द्धन - एसी सिस्टम को बिजली प्रदान करने के लिए।
ई-निविदा सूचना क्र.	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ई-निविदा-24 /2024-2025 दिनांक 13.06.2024	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/सीओएन/ई-निविदा-25 /2024-2025 दिनांक 13.06.2024
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 24.21 लाख	रु. 21.59 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	04 महीने	06 महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	14.06.2024 को 16.00 बजे से 28.06.2022 को 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण	15.06.2024 को 11.00 बजे से 29.06.2024 को 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	01.07.2024 को 16.00 बजे तक	
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	02.07.2024 को 16.00 बजे तक	
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	04.07.2024 को 11.00 बजे से	
ईएमडी	रु. 48,420/-	रु. 43,180/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

पूर्ववर्ती सरकार करती थी लुभावने वादे, नहीं था गरीब से कोई सरोकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला ने अपना पूरा जीवन देश एवं समाज की सेवा में समर्पित किया। उनके जीवन से युवाओं को राष्ट्र को प्रथम मानकर देश-सेवा और सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार समृद्ध एवं खुशहाल किसान की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मूंडिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि स्व. कर्नल बैंसला के स्मरण में स्थानीय क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए उनके नाम से शैक्षणिक संस्थान खोलने पर राज्य सरकार विचार करेगी।

शर्मा गुरुवार को टोड़ाभीम के मूंडिया में स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम एवं विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सामान्य परिवार में जन्मे बैंसला ने अपनी लगन एवं मेहनत से एक ऊंचा मुकाम हासिल किया। शिक्षक की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने करीब तीन दशक तक भारतीय सेना में रहते हुए चीन एवं पाकिस्तान के खिलाफ युद्धों में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जिब्राल्टर की चट्टान' स्व. बैंसला ने सेना से सेवानिवृत्ति के बाद समाज में असमानता, अशिक्षा और पिछड़ेपन के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल विवाह, शादियों में फिजूलखर्ची और दहेज-प्रथा जैसी कुरीतियों को खत्म करने में अहम योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। केन्द्र एवं राज्य सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतिगत निर्णयों के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पदभार ग्रहण करते ही सबसे पहले किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त जारी करने का काम किया है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत प्रथम चरण में राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये की गई है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर नल से जल' के संकल्प से प्रदेशवासियों को वंचित रखा। राज्य में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने केवल लुभावने वादे किए थे, गरीब से उनका कोई सरोकार नहीं था।

गांवों में सड़क-पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं किया गया। लेकिन अब हमारी सरकार प्रदेशवासियों से किए प्रत्येक वादे को पूरा करेगी। शर्मा ने किसानों के हित में लिए गए निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 40 हजार से अधिक कृषि कनेक्शन तथा 50 हजार से अधिक किसानों के खेतों में सोलर पंप स्थापित करने की स्वीकृति जारी की है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में 5 लाख गोपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही, 248 मोबाइल वेटेनरी इकाइयों के माध्यम से पशुओं को त्वरित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मूंडिया गांव स्थित 'प्रेरणास्थल' पर स्वर्गीय कर्नल बैंसला की प्रतिमा का अनावरण किया तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह के दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, पूर्व सांसद श्रीमती रंजीता कोली, विजय बैंसला सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के खोले गए कॉलेजों को करने जा रही है बंद : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा खोले गए कॉलेजों को बन्द करने जाने का आरोप लगाया है। गहलोत ने गुरुवार को अपने बयान में यह आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार का मोदी की गारंटी पर यह एक और प्रहार होगा। उन्होंने कहा अभी तक हम सबने सुना था कि सरकार का काम शिक्षा के नए संस्थान जैसे स्कूल और कॉलेज खोलकर विद्यार्थियों को उनके घर के पास ही शिक्षा उपलब्ध कराना है परन्तु राजस्थान की भाजपा सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा खोले गए कॉलेजों को बन्द करने जा रही है।

उन्होंने कहा मीडिया में भाजपा सरकार द्वारा तर्क दिए जा रहे हैं कि कुछ कॉलेजों की इमारतें अभी तैयार नहीं हैं। हमारी सरकार ने 303 कॉलेज खोले जिनमें से करीब 250 कॉलेजों की इमारतों का निर्माण कार्य चल रहा है।

यह तो कॉमन सेंस की बात है कि कॉलेज की घोषणा होने के बाद ही इमारत बनेगी। हमारी सरकार के दौरान कोविड से करीब दो साल तो निर्माण कार्य ही अटके रहे। इन कॉलेजों में पढ़ाने के लिए आरपीएससी के माध्यम से 2000 से अधिक सहायक प्रोफेसरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई। अस्थायी आधार पर विद्या संबल योजना के तहत गेस्ट फेकल्टी लगाकर पढ़ाई करवाई जा रही थी। गांवों के पास ही नए कॉलेज खोलने का ही नतीजा था कि राजस्थान में पहली बार कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या लड़कों से अधिक हो गई थी और ड्रॉप आउट रेट कम हुआ था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विधानसभा चुनाव में गारंटी देकर गए थे कि हमारी सरकार की किसी योजना को बंद या कमजोर नहीं किया जाएगा लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार में पता नहीं ऐसे कौन लोग हैं जो छवि खराब करने के लिए ऐसे फैसले कर रहे हैं जिससे यह संदेश जाए कि राजस्थान की भाजपा सरकार मोदी की गारंटी की हवा निकाल रही है और जनता का अहित करने वाले फैसले कर रही है।

पुलिस के रोजमर्रा के कार्यों और अनुसंधान में फॉरेंसिक साइंस की बड़ी भूमिका : साहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को जयपुर में राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) के ऑडिटोरियम में 'रोल ऑफ फॉरेंसिक्स इन क्रिमिनल इंवेस्टिगेशन' पर विशेष सेमिनार का आयोजन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस मौके पर डीजीपी साहू ने कहा कि पुलिस के रोजमर्रा के कार्यों और अनुसंधान में फॉरेंसिक साइंस की बड़ी अहमियत है, आगामी एक जुलाई से लागू होने वाले नए क्रिमिनल लॉ में फॉरेंसिक साइंस की इंवेस्टिगेशन में भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

इसी दृष्टि से राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के आयोजनों के तहत इस अहम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जो पुलिस अधिकारियों और अनुसंधान अधिकारियों के लिए काफी उपयोगी रहा।

सेमिनार में उत्तरप्रदेश के अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस एवं यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक्स के फाऊंडर डायरेक्टर डॉ. जीके गोस्वामी ने अपने 'कीनोट एड्रेस' में कहा कि फेयर ट्रायल के लिए फेयर इंवेस्टिगेशन बहुत जरूरी है, यह न्याय के मार्ग को प्रशस्त करता है। ऐसे में पारदर्शी तरीके से सही अनुसंधान के लिहाज से न्याय तंत्र में पुलिस की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आपराधिक मामलों में न्याय के लिए साक्ष्यों (एविडेंस) की गुणवत्ता से ही अनुसंधान के जरिए सच्चाई तक पहुंचने में मदद मिलती है।

डॉ. गोस्वामी ने क्रिमिनल इंवेस्टिगेशन में क्वालिटी ऑफ एविडेंस को इम्प्रूव करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा इसमें जो गैप है, उनको भरने के लिए पूरी शिद्दत के साथ कार्य करने की जरूरत है। 'फॉरेंसिक साइंस', ऐसे गैप को दूर करने में मददगार साबित हो सकती है क्योंकि यह अनुसंधान में 'न्यूट्रल' रहते हुए सच्चाई को उजागर करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय 'फॉरेंसिक साइंस' के लिए स्वर्णिम काल है, विशेषकर आगामी जुलाई से जब देश में नए क्रिमिनल लॉ लागू होंगे तो इनमें इसकी उपादेयता और बढ़ जाएगी। 'फॉरेंसिक साइंस' से इंवेस्टिगेशन में वैज्ञानिकता का समावेश होता है, और यह पूर्ण न्याय की राह प्रशस्त करता है।

डॉ. गोस्वामी ने कहा कि न्याय एक ऐसी खूबी और सच्चाई है कि किसी भी देश या कालखंड की बात की जाए तो हर व्यक्ति और समाज इसे पाना चाहता है। पुलिस, कानून का संरक्षण करते हुए न्याय सुनिश्चित करने की पहली और अहम कड़ी है। न्याय के लिए घटनाक्रम में सामने दिखने वाले तथ्यों के परे जो सच छिपा है, उसको उजागर करना पुलिस अनुसंधान का मूलमंत्र है।

विकसित राजस्थान के लिए राजस्व संग्रहण बढ़ाएं : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पन्त ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के संकल्प को पूर्ण करने एवं प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए राजस्व संग्रहण अतिआवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजस्व अर्जन को बढ़ाने के साथ ही लोगों को ईमानदारी से कर अदायगी के लिए प्रोत्साहित करें। मुख्य सचिव ने विभागों से राजस्व संग्रहण में बकाया कर वसूली के लिए अभियान चलाने के लिए कहा। पन्त गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य की राजस्व प्राप्ति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टैक्स चोरी करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि ईमानदारी से कर अदा करने वालों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो। उन्होंने प्रदेश में अवैध खनन व उसके परिवहन, अवैध मदिरा के विक्रय व परिवहन तथा कर चोरी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विस्तृत योजना बनाने के लिए कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिला कलेक्टर और संभागीय आयुक्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अपने जिले में राजस्व संग्रहण की स्थिति की समीक्षा करें और संग्रहण में वृद्धि के लिए नवाचारों को प्रोत्साहित करें।

मुख्य सचिव ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उड़न दस्तों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा प्राप्त शिकायतों के आधार पर उनकी रैंडम चैकिंग करवाएं। उन्होंने खान विभाग के अधिकारियों को विभिन्न स्रोतों से प्राप्त अवैध खनन की सूचनाओं और शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्मिकों को उनके कर्तव्य में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों पर भी कठोर कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें।

पन्त ने कर अदायगी के उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं करने वाली फर्मों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिये। साथ ही राजस्व संग्रहण से जुड़े विभागों को नवीन तकनीकों के इस्तेमाल तथा आपसी समन्वय से राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन श्रीमती श्रेया गुहा, शासन सचिव वित्त(राजस्व) डॉ. कृष्ण कान्त पाठक के अतिरिक्त खान, पैट्रोलियम, आबकारी, पंजीयन व मुद्रांक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सम्बंधित संभागीय आयुक्त व जिला कलेक्टर विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल में आग लगने से अफरा-तफरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान में सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल में गुरुवार को आग लगने से अफरा- तफरी मच गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल में ड्यूटी रूम के सामने प्रथम तल को जाने वाली सीढ़ियों के पास इलेक्ट्रिक पैनल सिस्टम में अचानक आग लगने से पूरे गलियारे, ओपीडी के कमरों एवं नजदीक ही महिला एवं पुरुषों के दो वार्डों में धुआं भर गया। सभी चिकित्सक, चिकित्सा कर्मी, अन्य कर्मचारी, इलाज करवाने के लिये आये लोग एवं वार्डों में भर्ती मरीजों को बाहर निकला गया। महिला एवं पुरुष वार्डों के मरीजों को दूसरे वार्डों में भेजा गया।

सूत्रों ने बताया कि अस्पताल के कर्मचारी पूर्ण भाटिया, अनिल गोदारा, सूरज आदि ने अस्पताल में ही लगे फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिये। सूचना मिलने पर नगर पालिका के दमकल वाहन लेकर भी दमकल कर्मी पहुंच गये। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक इलेक्ट्रिक पैनल सिस्टम लगभग पूरी तरह से जल गया था। अस्पताल की इलेक्ट्रिक वायरिंग भी जल गयी, जिससे काफी नुकसान हुआ। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। महिला एवं पुरुष वार्डों में काफी मरीज थे, जिनको दूसरी तरफ के वार्डों में ले जाया गया। इलेक्ट्रिक पैनल और वायरिंग जलने से पूरे अस्पताल में बिजली ठप हो गयी। इसी अस्पताल परिसर में ट्रॉमा सेंटर भी है, लेकिन वहां कोई नुकसान नहीं हुआ।

जानकार सूत्रों ने बताया कि हाल के दिनों में कई संस्थाओं एवं दानदाताओं ने अस्पताल को एयर कंडीशनर भेंट किये हैं। करीब सभी वार्डों, ओपीडी एवं अन्य कमरों में एसी लगे हुये हैं। मगर अस्पताल की वायरिंग पुरानी ही है।

राजस्थान विधानसभा का दूसरा सत्र तीन जुलाई से

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा का दूसरा सत्र तीन जुलाई से शुरू होगा। राजभवन से जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। राजभवन से जारी एक बयान के अनुसार राज्यपाल कलराज मिश्र ने 16 वीं विधानसभा का दूसरा सत्र तीन जुलाई से आहूत किए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। विधानसभा सूत्रों के अनुसार इस सत्र में प्रदेश का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने आठ फरवरी को विधानसभा में लेखानुदान (अंतरिम बजट) पेश किया था।

सुनवाई

कोटा-बून्दी प्रवास के दौरान गुरुवार को आमजन से भेंट उनकी समस्याओं का समाधान करते केन्द्रीय मंत्री ओम बिरला।

शोकसभा में भतीजे ने चाचा पर मुक्कों से वारकर उतारा मौत के घाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। नवलगढ़ क्षेत्र के मुकुंदगढ़ थानांतर्गत डूंडलोद गांव में मंगलवार को अपने भाई की शोक सभा में बैठे बुजुर्ग गोकुलचंद तोलासरिया (72) की उसके भतीजे रामगोपाल ने सिर व छाती पर वारकर बुरी तरह पिटाई कर दी। अस्पताल ले जाते समय गोकुलचंद की रास्ते में ही मौत हो गई। बाद में देर शाम तक अस्पताल में मृतक के परिजन व रिश्तेदारों के बीच बातचीत चलती रही। रात 9 बजे तक कोई सुलह नहीं हुई तो मुकुंदगढ़ पुलिस ने गोकुलचंद के शव को जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सौंप दिया गया।

मृतक गोकुलचंद तोलासरिया के पुत्र संजय गोयल ने मुकुंदगढ़ थाने में बुधवार को मुकदमा दर्ज करवाया है। संजय की रिपोर्ट के अनुसार उसके ताऊजी विश्वनाथ का निधन 10 जून को हो गया था। उनकी शोक सभा डूंडलोद में पुरानी हवेली में चल रही थी। इस दौरान दोपहर 2 बजे सीकर से दूसरे ताऊजी किशोरीलाल का पुत्र रामगोपाल अपनी पत्नी कुसुम व मां सुलोचना के साथ आया। उसने आते ही गोकुलचंद के गाली गलौज करना शुरू कर दिया और गोकुलचंद के सिर व छाती पर लात घूंसों से वार कर दिया। इससे गोकुलचंद जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए। घायल पिता को नवलगढ़ जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बरसों का इंतजार हुआ खत्म, 6 और पाक विस्थापितों को मिली भारतीय नागरिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पाक विस्थापितों के हक-हकूक एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा काफी संवेदनशील है। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन पाक विस्थापितों को नियम एवं पात्रता अनुसार भारतीय नागरिकता प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इसी संवेदनशीलता के चलते बरसों से भारतीय नागरिकता के लिए प्रयास कर रहे 6 पाक विस्थापितों के लिए गुरुवार का दिन खुशियां लेकर आया।

कलक्ट्रेट में जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित के निर्देश पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) श्रीमती शैफाली कुशवाहा ने कविता बाई, निर्मलदास, शभागु मल, पूरी बाई, मुकेश लाल एवं शंकरलाल सहित 6 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे। अब तक कुल 325 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जा चुकी है। अरसे बाद नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने पर शंकर लाल की आंखें छलक आईं। शंकर लाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि आज कई सालों का लंबा इंतजार खत्म हुआ है और आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकता का प्रमाण नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद ना केवल उन्हें पहचान मिली है बल्कि अब सरकारी योजनाओं की मदद से वे अपने परिवार का भरण पोषण बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

भाजपा सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय बने नये जिलों की करेगी समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन में बनाये गये नये 17 जिलों एवं तीन संभागों की समीक्षा करेगी और इसके लिए एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन किया गया है। उप समिति में उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा को संयोजक जबकि उद्योग एव वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत को सदस्य बनाया गया हैं। राजस्व विभाग एवं उपनिवेशन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा के इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार नये जिलों एवं संभागों के प्रशासनिक दृष्टिगत क्षेत्राधिकार, सुचारु संचालन, प्रशासनिक आवश्यकता, वित्तीय संसधनों की उपलब्धता आदि के संबंध में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समीक्षा के लिए इस उपसमिति का गठन किया गया हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल के आखिरी साल में इन नये जिलों एवं संभागों का गठन किया था। उधर पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने इन नये जिलों एवं संभागों की समीक्षा पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने मंत्रिमंडलीय उप-समिति बनाकर जिलों का रिव्यू करने का फैसला किया है। अब यह देखना होगा कि यह समिति राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों एवं विकास के हित को देखकर फैसला लेगी या फिर राजनीतिक कारणों से पिछली सरकार के फैसले को गलत साबित करने की मंशा से कार्य करते हुए राजस्थान की जनता के हितों को ताक पर रखेगी। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने राजस्थान में नए जिले रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया की समिति की रिपोर्ट के आधार पर बनाए।

अरुणाचलः खांडू की तीसरी सरकार में तीन मौजूदा मंत्रियों को नहीं मिली जगह

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश की पिछली सरकार के तीन मंत्रियों को मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व वाली नई मंत्रिपरिषद में जगह नहीं मिली। खांडू ने मंत्रियों के साथ बृहस्पतिवार को शपथ ली। इस बार मंत्रिपरिषद में जगह पाने में नाकाम रहे नेताओं में होनचुन नगंदम, एलो लिबांग और नाकप नालो शामिल हैं। पिछली सरकार में उनके पास क्रमशः ग्रामीण कार्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण एवं पर्यटन विभाग थे। शिक्षा मंत्री ताबा तेदिर याचुली निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टोको तातुंग से चुनाव हार गए वहीं गृह मंत्री बामंग फेलिक्स, उद्योग मंत्री तुमके बागरा और पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री तागे टाकी को 19 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने टिकट नहीं दिया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने की संगठन विस्तार और अन्य मुद्दों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

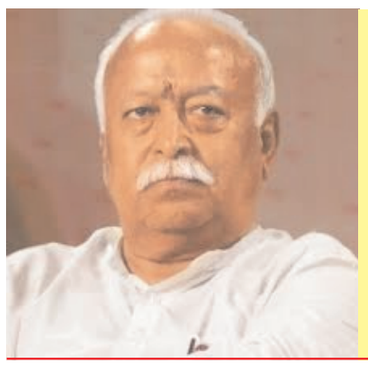

काशी, गोरखपुर, कानपुर और अवध क्षेत्र में संघ की जिम्मेदारी संभाल रहे संघ के करीब 280 स्वयंसेवक कार्यकर्ता विकास वर्ग में ले रहे हैं हिस्सा

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को गोरखपुर में आयोजित कार्यकर्ता शिविर में संघ के विस्तार, राजनीतिक परिदृश्य और सामाजिक सरोकारों पर चर्चा की।

काशी, गोरखपुर, कानपुर और अवध क्षेत्र में संघ की जिम्मेदारी संभाल रहे संघ के करीब 280 स्वयंसेवक कार्यकर्ता विकास वर्ग में हिस्सा ले रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि भागवत 'एक-दो दिन' में गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर सकते हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के मुख्य महंत भी हैं।

भागवत बुधवार को गोरखपुर पहुंचे और उनके वहां पांच दिन रहने की संभावना है। उन्होंने शहर के चिउटाहा इलाके के एसवीएम पब्लिक स्कूल में चल रहे संघ कार्यकर्ता विकास वर्ग शिविर में स्वयंसेवकों को गुरुमंत्र दिए। यह शिविर गत तीन जून से आयोजित हो रहा है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया, ''संघ प्रमुख ने स्वयंसेवकों को संघ की शाखाओं की संख्या बढ़ाने और संगठन के विस्तार के सुझाव दिये। साथ ही संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों के विस्तार पर जोर दिया।'' उन्होंने बताया, ''सामाजिक जिम्मेदारी भी संघ प्रमुख के संबोधन का अहम हिस्सा रही। उन्होंने राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने में संघ की भूमिका पर भी चर्चा की और स्वयंसेवकों को सामाजिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।''

अपने पांच दिवसीय गोरखपुर प्रवास के दौरान संघ प्रमुख स्वयंसेवकों और प्रशिक्षकों के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगे। आयोजन स्थल के अंदर और बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। केवल चुनिंदा स्वयंसेवकों को ही आयोजन स्थल में प्रवेश की अनुमति है।

मोहन भागवत ने सोमवार को एक साल बाद भी मणिपुर में शांति कायम नहीं होने पर चिंता जताई थी। नागपुर में संगठन के 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय' के समापन कार्यक्रम में संघ के प्रशिक्षुओं की एक सभा को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा था, ''मणिपुर पिछले एक साल से शांति का इंतजार कर रहा है। 10 साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगता था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है।''

चिराग पासवान ने अपने सांसदों को पार्टी के प्रति समर्पण की शपथ दिलायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को नवनिर्वाचित सांसदों समेत इसके सदस्यों को पार्टी के प्रति आजीवन समर्पण की शपथ दिलाई।

वर्ष 2021 में आज के ही दिन पार्टी में विभाजन हो गया था जिससे उनके (चिराग पासवान के) राजनीतिक भविष्य पर अनिश्चितता छा गयी थी। चिराग पासवान ने अपने सांसदों एवं सदस्यों की बैठक बुलाने के लिए पार्टी में विभाजन की तारीख को चुना और उन सभी को पार्टी के प्रति निष्ठा की शपथ दिलायी गयी। उनके चाचा और तत्कालीन सांसद पशुपति कुमार पारस ने पार्टी में दोफाड़ कर दिया था। सदस्यों ने शपथ ली कि वे पार्टी के प्रति आजीवन समर्पित रहेंगे, उसकी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करेंगे तथा दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों एवं गरीबों की प्रगति के लिए काम करेंगे। उन्होंने चाचा और पूर्व केंद्रीय मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विभाजन न केवल पार्टी में बल्कि परिवार में भी था। इस लोकसभा चुनाव में बिहार में राजग की सहयोगी पार्टियों-- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं जनता दल (यूनाइटेड) की सीट कम हो गयीं लेकिन लोजपा सभी पांच सीट जीत गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चिराग पासवान को अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया।

सिक्किम के मुख्यमंत्री की पत्नी ने शपथ लेने के अगले दिन विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग की पत्नी कृष्णा कुमारी राय ने शपथ लेने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है। वह हाल में विधानसभा चुनाव में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के बिमल राय को हराकर नामची-सिंघीथांग विधानसभा सीट से विजयी हुई थीं। सिक्किम विधानसभा के सचिव ललित कुमार गुरुंग ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष एम एन शेरपा ने कुमारी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। अरुणाचल प्रदेश के अपने समकक्ष पेमा खांडू के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत के लिए गए तमांग ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मेरी पत्नी के इस्तीफे की खबर के संबंध में... मैं सिक्किम के प्रिय और सम्मानित लोगों को सूचित करना चाहता हूं कि उन्होंने पार्टी के कल्याण और उद्देश्यों को प्राथमिकता देते हुए पार्टी के सर्वसम्मत निर्णय के अनुरूप अपनी सीट खाली कर दी है। पोस्ट में तमांग ने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि, एसकेएम पार्टी की संसदीय समिति के अनुरोध पर, उन्होंने हमारी पार्टी के कल्याण के लिए चुनाव लड़ा।

संसद के आगामी सत्र में जोरशोर से उठाया जाएगा नीट परीक्षा में 'धांधली' का मुद्दा: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा - स्नातक' (नीट-यूजी), 2024 में कथित धांधली को लेकर केंद्र सरकार पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि 24 जून से आरंभ हो रहे संसद के सत्र के दौरान इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया जाएगा।

मुख्य विपक्षी ने कहा कि कांग्रेस इस मामले में सीबीआई जांच चाहती है, लेकिन अगर सरकार इसके लिए तैयार नहीं है तो फिर उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए। कांग्रेस इस मामले में लगातार यह मांग कर रही है। कांग्रेस ने मांग भी की है कि एनटी के महानिदेशक को उनके पद से हटाया जाए। मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि इस सरकार में 'पैसे दो, पेपर लो' का खेल खेला जा रहा है। खरगे ने पोस्ट किया, '' नीट परीक्षा में केवल कृपांक की समस्या नहीं थी। धांधली हुई है, पेपर लीक हुए हैं, भ्रष्टाचार हुआ है। नीट परीक्षा में 24 लाख़ छात्र-छात्राओं का भविष्य मोदी सरकार के कारनामों से दांव पर लग गया है।'' मोदी सरकार एनटीए के कंधों पर अपनी कारगुज़ारियों का दारोमदार रखकर, अपनी जवाबदेही से पीछा नहीं छुड़ा सकती।

मेरी प्राथमिकता असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूत करने की है: गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा है कि असम के प्रति उनका कर्तव्य अभी आधा ही पूरा हुआ है और अब उनकी प्राथमिकता 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूत करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि यह न केवल असम में बल्कि पूरे भारत में कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह ''वर्तमान में व्याप्त खतरे, असुरक्षा, धमकी, उत्पीड़न या घुटन की भावना'' को खत्म करे।

गोगोई ने यहां समाचार एजेंसी 'पीटीआई' के संपादकों के साथ बातचीत में कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत के लोग स्वतंत्र रूप से रहें, अपनी मर्जी से अपने धर्म का पालन करें, अपनी पसंद की किसी भी पार्टी और राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करें और स्वतंत्रता की भावना से काम करें।'' इस लोकसभा चुनाव में जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मैंने पहले ही मन बना लिया था कि जोरहाट में नतीजे चाहे जो भी हों, मेरा काम लोगों को डर से मुक्त कराना है क्योंकि असम में बहुत सारे लोगों को लगता है कि डर का माहौल है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वह असम में नेतृत्व करने की भूमिका के लिए तैयार हैं, तो तीन बार के लोकसभा सदस्य ने कहा कि वह कांग्रेस नेतृत्व से कोई पद या भूमिका नहीं बल्कि समय मांग रहे हैं ताकि वह पार्टी को मजबूत करने और विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए असम में अधिक वक्त दे सकें।

नीट-यूजी के खिलाफ प.बंगाल में प्रदर्शन, तृणमूल ने न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 में कथित अनियमितताओं और राजकीय कॉलेजों में दाखिला शुरू होने में देरी का आरोप लगाते हुए 'ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन' (एआईडीएसओ) के सदस्यों ने यहां साल्ट लेक इलाके में पश्चिम बंगाल के उच्च शिक्षा विभाग के मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने नीट-यूजी मुद्दे पर छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की।

एआईडीएसओ के सदस्य नारे लगाते हुए विकास भवन की ओर बढ़ रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया।

पुलिस ने शुरू में प्रदर्शनकारियों को शांत करने और उन्हें इलाके से हटाने की कोशिश की। लेकिन जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने पर अड़े रहे, तो पुलिस ने उनमें से कुछ को हिरासत में ले लिया और उन्हें वाहनों में वहां से ले गयी।

प्रदर्शनकारियों में से एक ने दावा किया कि नीट-यूजी विवाद के कारण कई आकांक्षी डॉक्टरों का भविष्य खतरे में पड़ गया है।

उन्होंने कहा, ''इसके साथ ही, छात्रों में निराशा बढ़ रही है क्योंकि उच्चतर माध्यमिक परिणाम घोषित होने के एक महीने बाद भी, सरकारी कॉलेजों में दाखिला शुरू नहीं हुआ है, जबकि निजी कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।''

भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर, उत्तर बंगाल के कई इलाके जलमग्न

दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)/भाषा। भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी में उफान आने से उत्तरी पश्चिम बंगाल के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं, जिसके कारण प्रशासन को कलिम्पोंग-दार्जिलिंग मार्ग पर यातायात की आवाजाही रोकनी पड़ी है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उत्तरी सिक्किम में भारी भूस्खलन के कारण हुई तबाही में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा पांच अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात लगातार बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई, क्योंकि दार्जिलिंग और कलिम्पोंग को जोड़ने वाले तीस्ता बाजार और गिल खोला जैसे अन्य इलाकों में कई सड़कें जलमग्न हो गईं, जबकि उफनती तीस्ता नदी के कारण आसपास बने घरों को खतरा पैदा हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह कर रही है। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़कें और घर जलमग्न हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस, नागरिक सुरक्षा दल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के कर्मियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क किया जा चुका है।

मुझे बंगाल से बाहर रखने की टीएमसी की कोशिशें सफल नहीं होंगी : भाजपा नेता मालवीय

कोलकाता/भाषा। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि उनपर लगाये गये आरोप उन्हें पश्चिम बंगाल से बाहर रखने की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की कोशिश है, जिसमें सत्तारूढ़ दल कभी सफल नहीं होगा। भाजपा के 'प. बंगाल सह-प्रभारी' मालवीय ने कथित तौर पर 'अपमानजनक' टिप्पणी के लिए एक दिन पहले कोलकाता के वकील शांतनु सिन्हा के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही थी। उन्होंने चुनौती दी कि वह (ममता) दुष्प्रचार अभियानों का सहारा लेने के बजाय उचित तरीकों से संदेशखालि की समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी को दूसरों के माध्यम से मेरे ऊपर कीचड़ उछलवाने के बजाय संदेशखालि का दाग धोने के लिए अन्य वैध तरीके खोजने चाहिए। मुझे बंगाल से बाहर रखने के ऐसे प्रयास काम नहीं आएंगे।

ओडिशा सरकार घोषणापत्र में किए गए वादों को पांच साल के भीतर पूरा करेगी: मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादे ''मोदी की गारंटी'' हैं और पांच साल के भीतर पूरे किए जाएंगे।

माझी ने पुरी जिले के सुआंडो गांव में महान सामाजिक कार्यकर्ता उत्कलमणि गोपबंधु दास की जन्मस्थली का दौरा करते वक्त यह बात कही। उन्होंने बीजू जनता दल (बीज) की पिछली सरकार में ग्रामीण इलाकों के निवासियों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार गांवों में आम लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों का समाधान करेगी। भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में धान के लिए 3,100 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), सभी घरों में पाइप से पानी का कनेक्शन और गरीबों के लिए पक्के मकान आदि का वादा किया है। माझी ने उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव और प्रवती परिदा तथा कुछ अन्य मंत्रियों के साथ उत्कलमणि गोपबंधु दास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनके सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। माझी ने कहा कि उनकी सरकार किसानों के समग्र विकास के लिए 100 दिनों के भीतर 'समृद्ध कृषक नीति' लाएगी। इससे पहले दिन में माझी और उनकी टीम ने पुरी का दौरा किया था, जहां जगन्नाथ मंदिर के सभी चार द्वार खोले गए। उन्होंने मंदिर परिसर में 'परिक्रमा' भी की। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद से चार में से तीन द्वार बंद कर दिए गए थे। भक्तों को केवल सिंहद्वार से प्रवेश की अनुमति थी, जबकि मंदिर के तीन अन्य दिशा में स्थित द्वार बंद रखे गये, जिससे भक्तों को असुविधा होती थी। मंदिर के सभी द्वार खोलना भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में एक प्रमुख वादा था।

कानपुर मेडिकल कॉलेज की पांचवीं मंजिल से गिरकर डॉक्टर की मौत

कानपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में बृहस्पतिवार को एक डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में पांचवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (स्वरूप नगर) शिखर ने 'पीटीआईभाषा' को बताया, ''बरेली की रहने वाली छात्रा दीक्षा तिवारी ने हाल ही में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। वह अपने दो सहपाठियों के साथ पांचवीं मंजिल पर गई थी, जहां से वह अचानक डक्ट (इमारत में हवा के आवागमन के लिये छोड़ा जाने वाला खाली स्थान) में गिर गई। उन्होंने बताया कि दीक्षा के दोस्त उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दीक्षा की दोनों दोस्तों को हिरासत में ले लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और अभी यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि यह दुर्घटना है या आत्महत्या अथवा हत्या।

बोपन्ना पेरिस ओलंपिक में बालाजी के साथ जोड़ी बनाएंगे: एआईटीए

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरुवार को पुष्टि की कि रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल स्पर्धा में एन श्रीराम बालाजी के साथ जोड़ी बनाएंगे।

'पीटीआई-भाषा' ने पहले ही खबर दी थी कि 44 वर्षीय बोपन्ना ने इन खेलों के लिए बालाजी को अपने साथी के रूप में चुना है।

एआईटीए ने यहां जारी विज्ञप्ति कहा, ''अखिल भारतीय टेनिस संघ यह घोषणा करते हुए रोमांचित है कि रोहन बोपन्ना और एन. श्रीराम बालाजी ने टेनिस युगल स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ओलंपिक के लिए उनकी यात्रा भारतीय टेनिस के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।''

पुलिस में 'आउटसोर्सिंग' प्रकरण पर अखिलेश ने कहा, भाजपा कहीं सरकार को ही आउटसोर्स न कर दे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश पुलिस में लिपिकों की कथित रूप से आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती किए जाने के संबंध में जारी एक पत्र पर तंज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा किसी दिन कहीं 'सरकार' को ही आउटसोर्स न कर दे। सपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई एक टिप्पणी में कहा, एक-के-बाद-एक कार्यवाहक डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) के बाद अब कुछ पुलिस सेवाओं की आउटसोर्सिंग पर विचार किया जा रहा है। ठेके पर पुलिस होगी तो, न तो उसकी कोई जवाबदेही होगी और न ही गोपनीय एवं संवेदनशील सूचनाओं को बाहर जाने से रोका जा सकेगा। उन्होंने पूछा, भाजपा सरकार जवाब दे कि जब पुलिस का अपना भर्ती बोर्ड है तो बाक़ायदा सीधी स्थायी नियुक्ति से सरकार भाग क्यों रही है?

दरअसल, पिछली 11 जून को पुलिस उपमहानिरीक्षक (स्थापना) प्रभाकर चौधरी के हस्ताक्षर से राज्य के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जारी एक पत्र में विभाग के कार्यों में हो रही लगातार वृद्धि को देखते हुए संवर्ग में स्वीकृत पदों के अतिरिक्त सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) सहायक उप निरीक्षक (लेखा) और उप निरीक्षक (गोपनीय) के पदों पर आउटसोर्सिंग के जरिए सेवाएं लिए जाने का प्रस्ताव किया गया था और इस बारे में अधिकारियों से उनकी राय मांगी गई थी। हालांकि राज्य पुलिस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से बृहस्पतिवार को दी गई जानकारी में बताया है कि वह पत्र 'त्रुटिवश' जारी गया था जिसे अब निरस्त कर दिया गया है।

राज्य पुलिस ने कहा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग की व्यवस्था पूर्व से प्रचलित है। त्रुटिवश चतुर्थ कर्मचारियों के स्थान पर मिनिस्टीरियल स्टॉफ के लिए पत्र जारी हो गया। उसे निरस्त कर दिया गया है। इस प्रकार का कोई भी प्रकरण पुलिस विभाग एवं शासन स्तर पर विचाराधीन नहीं है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, पुलिस सेवा में भर्ती के इच्छुक युवाओं की ये आशंका है कि इसके पीछे आउटसोर्सिंग का माध्यम बनने वाली कंपनियों से 'काम के बदले पैसा' लेने की योजना हो सकती है क्योंकि सरकारी विभाग से तो इस तरह पिछले दरवाज़े से 'पैसा वसूली' संभव नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''वह आरोप के आधार के रूप में कोरोना वैक्सीन बनानेवाली प्राइवेट कंपनी का उदाहरण दे रहे हैं, जिसे भाजपा ने नियम विरुद्ध जाते हुए, वैक्सीन बनानेवाली एक सरकारी कंपनी के होते हुए भी, वैक्सीन बनाने का ठेका दिया और उससे चंदा वसूली की।

नडाल ने कहा, विंबलडन में नहीं खेलूंगा

लंदन/एपी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल उम्मीद के मुताबिक विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे और इसके बजाय स्वीडन के बस्ताद में क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक की तैयारी करेंगे। बाइस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल ने गुरुवार को कहा कि वह ऑल इंग्लैंड क्लब के लिए घास के कोर्ट पर खेलने और फिर क्ले पर वापस आने की बजाय सिर्फ क्ले कोर्ट पर ही खेलना चाहते हैं। नडाल ने एक बयान में कहा, ''हमारा मानना है कि मेरे शरीर के लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं सतह नहीं बदलूं।'' ओलंपिक के दौरान 27 जुलाई से रोलां गैरो पर टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह फ्रेंच ओपन का आयोजन स्थल है जहां नडाल ने रिकॉर्ड 14 खिताब जीते हैं। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं जिसमें 2023 में कराई गई सर्जरी भी शामिल है। उन्हें सीमित टूर्नामेंट में ही खेलने का मौका मिला है। नडाल को पिछले महीने के आखिर में फ्रेंच ओपन के पहले दौर में बाद में उपविजेता बने एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने हराया था। यह उनके करियर में पहली बार था जब वह क्ले कोर्ट पर लगातार मैच हारे हों। नडाल ओलंपिक में कार्लोस अल्कारेज के साथ युगल और एकल वर्ग में खेलेंगे। विंबलडन एक से 14 जुलाई तक चलेगा।

श्रुति वोरा की एतिहासिक जीत, थ्री स्टार ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अनुभवी श्रुति वोरा थ्री स्टार ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय राइडर (घुड़सवार) बन गई हैं। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

श्रुति ने सात से नौ जून तक स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित सीडीआई-3 प्रतियोगिता में 67.761 अंक हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी मोलदोवा की तातियाना एंटोनेंको (आचेन) से आगे रहीं जिन्होंने 66.522 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच (क्वार्टर गर्ल) ने 66.087 अंकों के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई।

श्रुति ने ग्रां प्री स्पेशल में भी सराहनीय प्रदर्शन किया जो इसी स्थान पर एक साथ आयोजित की गई। वह 66.085 अंकों के साथ एंटोनेंको के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

श्रुति ने कहा, ''मैं परिणाम से बेहद खुश हूं। मैंने कड़ी मेहनत की है और जीत वाकई संतोषजनक है। यह जीत ओलंपिक वर्ष में मिली है और यही इसे महत्वपूर्ण बनाता है।''

ईएफआई की विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया, ''यह तथ्य कि मैं देश की पहली राइडर हूं जिसने थ्री स्टार प्रतियोगिता जीती है, इसे एक विशेष उपलब्धि बनाता है। मैं अपने देश के लिए सम्मान लाने के लिए कड़ी मेहनत करती रहूंगी।''

कोलकाता की रहने वाली श्रुति वोरा ने ड्रेसेज विश्व चैंपियनशिप (2022) और एशियाई खेलों (2010, 2014) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

सुविचार

हर कोई चाहता है कि लोग उसकी भावनाओं को समझें, पर कोई भी यह कोशिश नहीं करता, कि वह खुद दूसरों की भावनाओं को समझें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इनकी पीड़ा कौन समझे?

कुवैत के मंगफ क्षेत्र में स्थित एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से कई लोगों की मौत होने की घटना अत्यंत हृदय विदारक है। इस हादसे के बाद खाड़ी देशों समेत संपूर्ण पश्चिमी एशिया में काम करने वाले भारतीय श्रमिकों की पीड़ा पर बात हो रही है। बहुत कम लोगों को उन हालात के बारे में जानकारी होती है, जिनसे जूझते हुए ये श्रमिक अपनी ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा गुजार देते हैं। ये अपने परिवारों से कई सौ किमी दूर रहकर अनगिनत दिक्कतें इसलिए झेलते रहते हैं, ताकि परिजन सुखी रहें, उन्हें किसी तरह के अभाव का सामना न करना पड़े। कुवैत की जिस इमारत में आग लगी, उसमें भारत, पाकिस्तान, फिलीपींस, मिस्र, नेपाल समेत कई देशों के लोग नाम मात्र की 'सुविधाओं' के साथ रह रहे थे। वहां ऐसी कई इमारतें होंगी, जिनमें या तो मूलभूत सुविधाएं नहीं होंगी या फिर खस्ता हालत में होंगी। एक-एक कमरे में दर्जनभर लोगों को रहना पड़ता है। सुबह शौच और स्नान आदि के लिए लाइन लगानी पड़ती है। कभी बीमार हो जाएं तो कोई पूछने वाला नहीं होता, क्योंकि किसी के पास इतना समय नहीं होता, कामकाज के बाद हर कोई बहुत थका हुआ होता है। उधर, स्वदेश में परिवारों और रिश्तेदारों को लगता है कि 'खाड़ी देशों में तो दौलत बरस रही है, उन्हें किस बात की तकलीफ होगी!' बेशक यहां कई देशों में बहुत कमाई है, लेकिन यह कुछ लोगों के लिए ही है। विदेशों से आने वाले ज्यादातर श्रमिक उतना ही कमा पाते हैं, जिससे उनके घर का गुजारा ठीक-ठाक चलता रहे। इसके बदले उन्हें जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, अगर वैसी परिस्थितियां स्वदेश में हों तो श्रमिक यूनियन बड़ा आंदोलन कर दें।

इन देशों में जाने के लिए लोग बड़ी राशि खर्च करते हैं। जो नियोक्ता श्रमिकों की मांग करते हैं, उनके पास बहुत बड़ी तादाद में आवेदन आते हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों में आबादी बहुत ज्यादा है और रोजगार के मौके कम हैं। नियोक्ता जानता है कि आने वाले श्रमिकों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। बहुत लोगों के सिर पर तो भारी कर्ज होता है, इसलिए नियोक्ता मजबूरी का फायदा उठाते हैं, मनमानी शर्तें थोपते हैं। अब इंटरनेट और सोशल मीडिया आने से कुछ बातें बाहर आ जाती हैं। पहले तो लोग एक-दूसरे से कहकर ही मन हल्का कर लेते थे। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र से इन देशों में नौकरी कर चुके कई लोग बताते हैं कि यह भ्रम होता है कि उधर बहुत पैसा होगा, शानदार ज़िंदगी होगी। वहां जाने पर आटे-दाल का भाव मालूम हो जाता है। कई लोगों के साथ ऐसा हुआ कि जिस कंपनी ने काम के लिए बुलाया, उसने आते ही एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करवा लिए। उसमें क्या लिखा था, यह ज्यादातर लोग नहीं समझ पाते, क्योंकि दस्तावेज अरबी भाषा में होता है। कई लोगों के पासपोर्ट रख लिए जाते हैं। ऐसा भी होता है कि पहले काम बताया कुछ और, बाद में करवाने लगे कुछ और! प्राय: कंपनियां एक-दो महीने का वेतन रख लेती हैं। काम की शर्तें काफी कड़ी होती हैं। अगर कहीं किसी श्रमिक के साथ ज्यादती हो जाए तो वह अपनी आवाज उठाने में असमर्थ होता है, क्योंकि किसी भी तरह के संगठन का निर्माण करना, विरोध-प्रदर्शन करना सख्त मना होता है। ऐसा करने वाले कई लोग जेल भेजे जा चुके हैं। बाद में उन्हें स्वदेश रवाना कर दिया जाता है। वहां भविष्य में काम करने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी जाती है। कंपनी के पास रखा वेतन डूबता है सो अलग! वर्षों घर-परिवार से दूर रहकर इन्सान खुद को काम करने की एक मशीन भर समझने लगता है। उसकी तकलीफों पर भारत में कोई पार्टी बात नहीं करती। शायद इसलिए, क्योंकि इसमें चुनावी फायदा नहीं है। जो श्रमिक अपनी पूरी जवानी विदेशों में गगनचुंबी इमारतें, चमचमाती सड़कें बनाने, उन्हें संवारने में खपा देता है, अगर उसे वही अवसर स्वदेश में मिल जाए तो देश की जवानी देश के काम आ सकती है।

ट्वीटर टॉक

विनम्र, कर्मठ एवं कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी, मृदुभाषी जनसेवक माननीय केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल , आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। भगवान श्री गणेश जी आपको उत्तम स्वास्थ्य व मंगलमय सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही प्रार्थना है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व विजन पर भरोसा जताने के लिए ओडिशा की जनता का हार्दिक धन्यवाद। ओडिशा वासियों की सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक आकांक्षाओं को मोदी जी जैसा संवेदनशील और सजग नेतृत्व ही पूरा कर सकता है।

-अमित शाह

प्राचीनता व आधुनिकता की अद्भुत संगम धरा गंगापुर सिटी के मूंडिया आगमन पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, देवतुल्य कार्यकर्ताओं व जनता जनार्दन ने जिस असीम अपनत्व व आदरभाव से मेरा स्वागत किया उसे परिभाषित नहीं किया जा सकता।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

जीवन की जागीर

कृष्णनगर में महाराज शिवचंद्र का शासन था। उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि पंडित रामनाथ जैसे महान विद्वान गरीबी में दिन काट रहे हैं। महाराज ने स्वयं रामनाथ जी से पूछा, 'आपका घर-खर्च कैसे चलता है?' पंडित जी बोले, 'इस बारे में गृहस्वामिनी मुझसे अधिक जानती हैं।' राजा ने गृहिणी से पूछा, 'माताजी घर-खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं है?' पंडित जी की पत्नी ने कहा, 'महाराज! कोई कमी नहीं है। पहनने को कपड़े हैं, सोने के लिए बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। खाने के लिए शिष्य ले आते हैं।' राजा ने कहा, 'देवी! हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे होने वाली आय से गुरुकुल भी ठीक तरह से चल सकेगा।' उत्तर में वृद्धा ब्राह्मणी कहने लगीं, 'प्रत्येक मनुष्य को परमात्मा ने जीवनरूपी जागीर पहले से ही दे रखी है। जो जीवन की इस जागीर को संभालना सीख जाता है, उसे फिर किसी चीज का कोई अभाव नहीं रह सकता।' राजा आगे कुछ नहीं बोल पाये।

सामयिक

संतानों के दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा बढ़ती जा रही है, जो जीवन को नरक बनाये हुए है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोके? क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 'बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को एकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती है'। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2024 की थीम सभी पहचानों की बुजुर्ग पीड़ितों के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को 'प्राथमिकता देना' है। याद रखें, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने में छोटी-छोटी कदम भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन लोगों की आवाज बनें जो खुद के लिए बोलने में सक्षम नहीं हैं, दूसरों को शिक्षित करें और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस एक प्रयोजनात्मक अवसर एवं उत्सव है। यह दिन उन तरीकों को खोजने के लिए भी मनाया जाता है कि कैसे समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार का कारण क्या है? वृद्ध व्यक्ति अक्सर गतिशीलता संबंधी समस्याओं, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों या सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, आपात स्थितियों का तनाव और अराजकता शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय या उपेक्षा सहित बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ा सकती है। आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, हम अधिक समावेशी और सुरक्षात्मक वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक ऐसी वैश्विक समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, हालाँकि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, लेकिन इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है।

हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। बड़े बूढ़ों के साथ दुर्व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। इसके पीछे मनोवैज्ञानिक परिस्थितियां काम करती हैं। वृद्धजन अव्यवस्था के बोझ और शारीरिक अक्षमता के दौर में अपने अकेलेपन से जूझना चाहते हैं पर इनकी सक्रियता का स्वागत समाज या परिवार नहीं करता और न करना चाहता है।

नजरिया

दागियों को चुनती ही क्यों है जनता ?

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

अठारहवीं लोकसभा में कुल 251 माननीय भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध के लिए आरोपित हैं गौर तलब बात यह है कि जिस तरह समाज में दिनोंदिन नैतिकता ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा परोपकार करुणा दया सत्यनिष्ठा सरलता सहजता सहयोग संवेदना का ह्रास हो रहा है कमोबेश राजनीति भी इस सबसे अछूती नही रही है अब मतदाता अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करते समय चरित्र ईमानदारी सज्जनता को वरीयता नहीं देता है वरन इसके ठीक विपरीत माफिया दबंग साधन सम्पन्न अपराध के लिए आरोपी को अपना प्रतिनिधि चुनने से कोई गुरेज नहीं कर रहे हैं। मतदाता हमारे लोकतंत्र को लेकर कितना जागरूक है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चालीस फी सदी से अधिक मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। यह देश की लोकतांत्रिक मूल्यों के पतन की ओर ईशारा करता है।

तपती गर्मी के बीच डेढ़ माह चले चुनावी अभियान में देश के मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक दायित्वों का निर्वहन किस जिम्मेदारी से किया है यह देखने लायक बात है देश में 18वीं लोकसभा अस्तित्व में आ चुकी है। एक ओर जहां हम दुनिया में रिकॉर्ड संख्या में मतदाताओं वाले सबसे बड़े लोकतंत्र हैं वहीं हमारी संसद में हर संगीन अपराध को अंजाम देने के लिए आरोपित दागी नेता संसद सदस्य बतौर चुन कर पहुंच गए हैं आपको बता दें कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं। यह स्थिति हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम मूल्यों की शुचिता का पारदर्शी समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? इसी दिशा में चिंतन से सिर्फ चिंता ही बढ़ती है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी ए.डी.आर. की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2109 में चुने गये सांसदों में जहां 233 बानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं 18वीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। फिलहाल देश के निचले सदन में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले सांसदों की यह संख्या पिछले कई दशकों में सर्वाधिक है। वर्ष 2014 में यह संख्या 34 फीसदी, 2009 में 30 फीसदी और 2004 में 23 फीसदी थी। जनप्रतिनिधियों में दागियों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि होना हमारे लोकतंत्र की विसंगति को ही दर्शाता है। जाहिरा तौर पर इनका परोक्ष-अपरोक्ष प्रभाव लोकतंत्र की गुणवत्ता पर पड़ेगा। विडंबना यह है कि इस बार दागी 251 प्रतिनिधियों में से 170 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

साल 2019 में कुल 233 नवनिर्वाचित सांसदों (43 फीसद) ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की थी, 2014 में 185 (34 फीसद), 2009 में 162 (30 फीसद) तथा 2004 में 125 (23 फीसद) ने आपराधिक मामलों की घोषणा की थी। नवनिर्वाचित हुए 251 सदस्यों में से 170 (31 फीसद) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं जिनमें दुष्कर्म, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले हैं। गंभीर अपराध के मामलों वाले सदस्यों की संख्या 2009 से 124 फीसद बढ़ गई है। इस बार चार उम्मीदवारों ने भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 302 के तहत अपने ऊपर हत्या से संबंधित मामले दर्ज होने की जानकारी दी है और 27 ने आइपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज होने की घोषणा की है।

नवनिर्वाचित हुए 15 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामले घोषित किए हैं, जिनमें दो पर आइपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है। एडीआर के अनुसार, 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बरकरार भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 फीसद) ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके मुताबिक कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 फीसद) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 फीसद) ने अपने खिलाफ आपराधिक आरोप होने की जानकारी दी है।

तृणमूल कांग्रेस के 29 में से 13 (45 फीसद), द्रमुक के 22 में से 13 (59 फीसद), तेलगू देसम पार्टी के 16 में से आठ (50 फीसद) और शिवसेना के सात विजयी उम्मीदवारों में से पांच (71 फीसद) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 फीसद) भाजपा उम्मीदवार, 32 (32 फीसद) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 फीसद) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा अपने हलफनामों में की है।इसमें कहा गया है कि नवनिर्वाचित सदस्यों में से सात (24 फीसद) तृणमूल सदस्यों, छह (27 फीसद) द्रमुक उम्मीदवार, पांच (31 फीसद) तेलगू देसम पार्टी उम्मीदवार और चार (57 फीसद) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

सवाल यह है कि जब जनता ही अपराध के लिए आरोपियों को चुन कर संसद भेज रही है और सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपराधी दबंग छवि वाले प्रत्याशियों को टिकट दिया जा रहा है तो कैसे संसद में दागियों के पहुंचने का द्वार बंद हो। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल के बाद ही वर्ष 2020 में निर्देश दिए गए थे कि सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करें। जाहिरा तौर पर इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। ऐसा भी नहीं है कि दल विशेष ने ही अपराधी उम्मीदवारों को टिकट दिए हों। हर छोटे-बड़े राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों में दागियों की पर्याप्त संख्या रही है।जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। आखिर युवा व बच्चे अपने लोकतंत्र के प्रतिनिधियों के अनुकरण करेंगे? सवाल है कि देश के लिये नीति वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो देश का भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का ? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोडपति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने चुनाव लड़ते समय दाखिल किए गए नामांकन पत्रों के आधार पर सांसदों की संपत्ति की सूची तैयार की है। आंकड़ों के विश्लेषण से यह तथ्य भी सामने आया है कि चुनाव दर चुनाव संसद में अमीर सांसदों की संख्या बढ़ी है. एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार नवगठित 18वीं लोकसभा में 543 में से 504 यानी 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं. 2019 में 539 सांसदों में से 475 सांसद करोड़पति थे. यह कुल संख्या का 88वीं फीसदी था. 2014 में 542 में से 443 सांसद करोड़पति थे, यह कुल संख्या का 82 फीसदी था. 2009 के आंकड़ों से पता चलता है कि उस समय संसद में 58 फीसदी सांसद करोड़पति थे. यानी 543 में से 315 सांसद करोड़पति थे।

स्पष्ट है कि इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं।इन हालातों को देखते हुए यह कल्पना करना भी व्यर्थ है कि कोई योग्य ईमानदार गरीब आम आदमी संसद में माननीय सदस्य बन सकता है।यहां यह भी सवाल है कि जितने दागी माननीय चुने गए हैं उन सब के सामने अनेक सज्जन समाज सेवी बिना अपराधिक रिकार्ड वाले शिक्षित सभ्य सुसंस्कृत उम्मीदवार भी मैदान में थे लेकिन बहुमत मतदाता ने दागियों को चुनकर संसद भेजना पसंद किया आखिर क्यों? दरअसल आम जन भी दबे मन से स्वीकार कर रहा है कि राजनीति में धनाढ्य दबंग और असरदार नेताओं की जरूरत है सज्जन और सुसंस्कृत नही चाहिए क्योंकि उनके जीतने की कम गुंजाइश रहती है। यानि प्रत्याशी धनाढ्य और दबंग होना जैसी क्वालिटी नहीं है तो जनता भी नही चुनती है यह हमारे लोकतंत्र के भविष्य की दिशा का संदेश देता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

टाटा की पंच.ईवी ने भारत-एनसीएपी के उच्चतम स्कोर के साथ 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की

मुंबई/दक्षिण भारत। टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी और भारत की ईवी क्रांति में अग्रणी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) ने गुरुवार को बताया कि उसकी पंच.ईवी और नेक्सॉन.ईवी ने 5 स्टार भारत-एनसीएपी सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। पंच.ईवी ने आज तक किसी भी वाहन द्वारा प्राप्त किए गए सर्वोच्च अंक वयस्क यात्री सुरक्षा (एओपी) और बाल यात्री सुरक्षा (सीओपी) के लिए क्रमशः 31.46/32 और 45/49 लेकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नेक्सॉन.ईवी ने एओपी और सीओपी के लिए क्रमशः 29.86/32 और 44.95/49 अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही, टाटा मोटर्स अब एसयूवी पोर्टफोलियो की सबसे सुरक्षित रेंज वाली एकमात्र ओईएम बन गई है, जिसने भारत-एनसीएपी और ग्लोबल-एनसीएपी परीक्षणों में 5-स्टार स्कोर किया है।

इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि पर टाटा मोटर्स को मेरी हार्दिक बधाई। यह प्रमाणन देश में सुरक्षित वाहनों के लिए भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है और भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को 'आत्मनिर्भर' बनाने में भारत-एनसीएपी की भूमिका पर जोर देता है। भारत-एनसीएपी कार सुरक्षा मानक भारत को वैश्विक ऑटोमोबाइल केंद्र बनाने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसकी निर्यात योग्यता बढ़ाने के सरकार के

नेक्सॉन.ईवी को भी 5-स्टार रेटिंग मिली

दृष्टिकोण को साकार करने में महत्त्वपूर्ण है।'

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के एमडी शैलेश चंद्रा ने कहा, 'सुरक्षा, जिस पर कभी कम चर्चा होती थी, अब भारतीय कार खरीदार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। टाटा मोटर्स में, सुरक्षा हमारे डीएनए में समाहित है, जिसने हमें उद्योग में एक मानक बना दिया है। हम सुरक्षा के मुद्दे पर, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी प्रतिबद्धता हमारे द्वारा निर्मित हर वाहन में प्रतिबिंबित होती है, बातचीत को आगे बढ़ाने में अग्रणी बने हुए हैं, चाहे उसकी कीमत कुछ भी हो।' उन्होंने कहा, 'हम सरकार के सख्त सुरक्षा मानकों का स्वागत करते हैं और हमें गर्व है कि ऐसे पहले निर्माता हैं, जिसने वाहन भेजे हैं और शानदार नतीजों के साथ भारत-एनसीएपी प्रोटोकॉल में अव्वल रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'भारत-एनसीएपी के तहत परीक्षण किए गए हमारे सभी चार एसयूवी ने 5-स्टार रेटिंग हासिल की है, जो सभी यात्री वाहनों के लिए एक मानक स्थापित करता है।'

इम्पैक्ट रैंकिंग 2024:

केआईआईटी भारत के सबसे प्रभावशाली विश्वविद्यालयों में अव्वल रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। केआईआईटी डीम्ड विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर को विश्व स्तर पर शीर्ष 6 सबसे प्रभावशाली विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया है। इसे टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग 2024 में 'असमानताओं में कमी' के सतत विकास लक्ष्य के संदर्भ में भारत में पहला स्थान दिया गया है।

केआईआईटी को 79.3 - 83.9 के समग्र स्कोर के साथ इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर 201-300 समूह में स्थान दिया गया है। बता दें कि टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग उन विश्वविद्यालयों को शामिल करती है, जो संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में उत्कृष्टता हासिल करते हैं। यह अनूठी रैंकिंग प्रक्रिया सभी 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अंतर्गत विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है।

बताया गया कि केआईआईटी विश्वविद्यालय को 'असमानताओं में कमी' के मामले में विश्व में छठा स्थान तथा भारत में पहला स्थान मिला है। वहीं, इसने 'शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों' के सतत विकास लक्ष्य में विश्व स्तर पर 71वां स्थान हासिल किया है। इसमें इसे भारत में पहला स्थान मिला है।

यह 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' के सतत विकास लक्ष्य के संदर्भ में विश्व में 55वें स्थान पर और भारत में 5वें स्थान पर है। केआईआईटी विश्वविद्यालय 'लक्ष्यों के लिए भागीदारी' के सतत विकास में भी भारत में 5वें स्थान पर रहा है। इस अवसर पर केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने संस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शांति, न्याय और मजबूत संस्थान, असमानताओं में कमी और लक्ष्यों के लिए साझेदारी के मापदंडों में दुनिया के सबसे प्रभावशाली विश्वविद्यालयों में केआईआईटी की स्थिति दशकों से इस क्षेत्र में इसके बड़े योगदान को दर्शाती है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए केआईआईटी के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी। विशेषज्ञों का कहना है कि केआईआईटी विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में दुनियाभर में अपना प्रभाव फैलाया है। यह शिक्षा के माध्यम से गरीबी को कम करने, महिला सशक्तीकरण, कार्यस्थल पर समान अवसर, ग्रामीण विकास, आदिवासी उत्थान, कला, संस्कृति और साहित्य जैसे महत्त्वपूर्ण सामाजिक क्षेत्रों में योगदान दे रहा है।

21 को रिलीज होगी फिल्म 'जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में अक्सर कई फिल्में गंभीर मुद्दों को लेकर आवाज उठाती हैं। इसी कड़ी में निर्देशक विनय शर्मा फिल्म 'जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी' (जेएनयू) लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 21 जून को रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज डेट का खुलासा किया। पोस्टर में कुछ किताबें जलती हुई दिखाई गई हैं और नीचे की ओर लिखा है- 'क्या एक यूनिवर्सिटी देश को हिला सकती है?' फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता प्रतिमा दत्ता ने कहा, '''जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी' रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म कोई संदेश देने के लिए बेहतरीन माध्यम होता है और यह हमारे समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग को प्रभावित करती है, जिसे लोगों के सामने लाने की जरूरत है।'' प्रतिमा ने कहा कि फिल्म के निर्माताओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, तब से बहुत कुछ बदल गया है, इसलिए 21 जून को यह सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निर्माता ने कहा, ''हम पूरी कास्ट, क्रू और इंडस्ट्री के कुछ लोगों से मिले समर्थन के चलते ऐसा कर पाए।'' निर्देशक विनय शर्मा ने कहा कि 'जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी' सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक के बारे में बात करती है, जिस पर चर्चा की जानी चाहिए। निर्देशक ने कहा, ''मुझे यकीन है कि इस फिल्म के जरिए पूरे देश में एक खुली चर्चा शुरू होगी। यह फिल्म मेरी ईमानदारी से की गई मेहनत का सबसे बड़ा रिटर्न गिफ्ट होगी, जो मैंने इस फिल्म को बनाने में लगाई है।''

इस फिल्म को महाकाल मूवीज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म का निर्देशन विनय शर्मा ने किया है। 'जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी' में उर्वशी रौतेला, पीयूष मिश्रा, रवि किशन, सिद्धार्थ बोडके, विजय राज, रश्मि देसाई, अतुल पांडे और शिवज्योति राजपूत लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारत ने चीन-पाक के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के संदर्भों को दृढ़ता से खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली।। भारत ने चीन और पाकिस्तान के नवीनतम संयुक्त बयान में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अनुचित संदर्भों को बृहस्पतिवार को दृढ़ता से खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग रहे हैं, हैं और हमेशा रहेंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग के बीच वार्ता के बाद गत सात जून को बीजिंग में संयुक्त बयान जारी किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने सात जून को चीन और पाकिस्तान के बीच संयुक्त बयान में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अनुचित संदर्भों को देखा है। हम ऐसे संदर्भों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर हमारी स्थिति सुसंगत है और संबंधित पक्षों को अच्छी तरह से पता है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग रहे हैं, हैं और हमेशा रहेंगे।

जायसवाल संयुक्त बयान पर मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। जायसवाल ने कहा, किसी अन्य देश को इस पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने संयुक्त बयान में शामिल चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर भी कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, इसी संयुक्त बयान में तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत गतिविधियों और परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया है।

पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश ने आईएसआई पर परेशान करने का आरोप लगाया

लाहौर। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पिछले साल मई में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रहे आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश ने खुफिया एजेंसी आईएसआई पर अपने पक्ष में फैसले कराने के मकसद से उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करने का आरोप लगाया है। आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्बास ने लाहौर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मलिक शहजाद अहमद खान को एक पत्र लिखकर बताया है कि किस तरह खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान किया है।

करण जौहर की फिल्म 'किल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर की आने वाली फिल्म किल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। धर्मा प्रोडेक्शन के बैनर तले बनीं करण जौहर की फिल्म किल का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म किल में मुख्य भूमिका लक्ष्य लालवानी ने निभायी है।'किल' के ट्रेलर की शुरुआत लक्ष्य नाम के सैनिक से होती है, जो ट्रेन में अपनी गर्लफ्रेंड तान्या मानिकतला को प्रपोज करता है। हालांकि, उनका ये रोमांटिक सफर कुछ ही देर में एक बुरे सपने में बदल जाता है, क्योंकि ट्रेन में गुंडों की एक टोली आ जाती है और तान्या के किरदार को बंदी बना लेती है। इसके बाद शुरू होता है खूनी खेल।लक्ष्य, एक अचानक रक्षक से राक्षस बन जाता है। इसके बाद एक-एक कर वो गुंडों को ढूंढ-ढूंढ कर मारता है। कुछ ही देर में चलती ट्रेन लाशों से भर जाती है। धर्मा प्रोडक्शंस और गुनीत मोंगा की सिख्या एंटरटेनमेंट ने 'किल' का प्रोडक्शन किया है। वहीं, निखिल नागेश भट्ट ने फिल्म को निर्देशित किया है। 'किल' में टीवी पर्सनैलिटी और कोरियोग्राफर राघव जुयाल भी शामिल हैं, उन्होंने मेन विलेन का किरदार निभाया है। 'किल' 05 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

असल जिंदगी में मैं 'मिर्जापुर' के गुड्डू पंडित से बहुत अलग हूं : अली फजल

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के सीजन 3 का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच एक्टर अली फजल ने बताया है कि उन्होंने अपने किरदार गुड्डू पंडित को पहले एनालिटिकल तरीके से समझने की कोशिश की। यह उनके असल जिंदगी से बहुत अलग है। 'मिर्जापुर 3' में अली फजल, पंकज त्रिपाठी, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, हर्षिता गौर, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली और ईशा तलवार जैसे कई कलाकार नजर आएंगे।

शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अली ने कहा, मुझे लगता है कि यह फॉर्मेट मेरी लाइफ और परफॉर्मेंस का अहम हिस्सा बन गया है, क्योंकि यह एक ऐसी जगह है जहां लोग पूरी जर्नी को ट्रैक करते हैं, जिन्होंने सीजन 1, सीजन 2 देखा है, वह सीजन 3 की कहानी को आसानी से समझ पाएंगे। मुझे नहीं पता कि सीजन 3 में क्या है, लेकिन मैंने इसमें एक ऐसे लड़के के ग्राफ को जस्टिफाई किया है, जो अपने आस-पास इतने भ्रष्टाचार के बावजूद अपनी मासूमियत को बनाए रखता है।''

उन्होंने आगे कहा, सीरीज की कहानी में एक ऐसी दुनिया है, एक ऐसा कैरेक्टर है जिससे मैं जुड़ा हुआ नहीं हूं, लेकिन मैंने इसे एनालिटिकल तरीके से समझने की कोशिश की है। मैंने उनके लिखने के तरीके, उनके सोचने के तरीके और उन क्षेत्रों में लोगों के साथ उनके बर्ताव को लेकर स्टडी की। और निश्चित रूप से, उन्हें किसी भी अंदाज में बताया जा सकता है।'' अली के कहा कि गुड्डू एक बॉडीबिल्डर है और इस किरदार के साथ पागलपन से जुड़ा हुआ है।

चुनौतियों के बारे में बात करते हुए अली ने कहा, ''मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती खुद को असल जिंदगी में इस किरदार से दूर रखने और कैरेक्टर को बिना जज किए निभाने की थी।'' दस-एपिसोड की मिर्जापुर 3' का प्रीमियर 5 जुलाई से प्राइम वीडियो पर होगा। 'मिर्जापुर' का पहला सीजन 2018 में रिलीज हुआ था, जबकि दूसरा सीजन 2020 में जारी किया गया था। दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार इस शो के पिछले सीजन का हिस्सा रह चुके हैं।

'मटका किंग' की शूटिंग शुरू, जारी हुआ नया पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

इन दिनों विजय वर्मा स्टारर क्राइम थ्रिलर 'मटका किंग' की काफी चर्चा है। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। मेकर्स ने एक्टर का नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर में विजय 90 के दशक के अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट पहनी हुई है, और ताश के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शर्त लगाने के लिए तैयार! मटका किंग जल्द ही, लेकिन अभी शूटिंग शुरू।

'मटका किंग' की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी 'मटका' नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। इस सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार शामिल हैं। रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिद्धानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है। इस सीरीज को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय को पिछली बार स्ट्रीमिंग मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म 'मर्डर मुबारक' में देखा गया था। इसमें पंकज त्रिपाठी और सारा अली खान लीड रोल में थे। वह जल्द ही फिल्म 'सूर्या43' और 'उल जलूल इश्क' में नजर आएंगे।

'नागवधू-एक जहरीली कहानी' में नजर आएंगी पोलोमी दास

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस पोलोमी दास ने 'पौराशपुर', 'नागिन 6' और 'बारिश' जैसे शो से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वह जल्द ही 'नागवधू-एक जहरीली कहानी' में नजर आएंगी। उन्होंने शो में अपने किरदार सनवरी के बारे में खुलकर बात की और कहा कि यह सीरीज एक महिला के संघर्ष को दिखाती है। पोलोमी ने कहा, मेरा किरदार सनवरी भारत के एक छोटे से गांव में रहती है। उसका पूरा गांव बहुत सारे अंधविश्वास के साथ जीता है। वह शादीशुदा है। शो की कहानी उसकी जिंदगी में शादी के बाद आए बदलाव पर आधारित है। वह अंदर से पूरी तरह से टूट चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, शो में आप देख पाएंगे कि सनवरी अपनी जिंदगी के बुरे दौर से कैसे उबरती है। यह सीरीज एक महिला की यात्रा और उसके भीतर के संघर्ष को दिखाती है।'' पोलोमी ने 'नागवधू' के डायरेक्टर जीतू के साथ अपनी अच्छी बॉन्डिंग के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह उनके साथ पहले भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब आप जीतू जैसे अच्छे डायरेक्टर के साथ काम करते हैं, तो सेट पर सब कुछ आसान हो जाता है। कुछ सीन ऐसे होते हैं जिनमें सावधानी बरतनी पड़ती है। हमें इसे खूबसूरती से शूट करना चाहिए, न कि अश्लील तरीके से। हमारे डायरेक्टर ने इसे ठीक से किया है और सुनिश्चित किया है कि हम सेट पर कंफर्टेबल रहें।'' 'नागवधू-एक जहरीली कहानी' सीरीज एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसको लेकर चर्चाएं हैं कि वह जिस भी लड़के के साथ रात बिताती है, उसकी हत्या कर देती है। सीरीज में सुबुही जोशी ने आभा का रोल निभाया है। यह 21 जून को ऑल्ट पर रिलीज होगी। पोलोमी ने 2016 में 'इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल' से करियर की शुरुआत की थीं। इसमें वह फाइनलिस्ट रहीं। 2016 में ही वह टीवी शो 'सुहानी सी एक लड़की' के लिए चुनी गई और इसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वह 'दिल ही तो है', 'अघोरी', 'जहानाबाद-ऑफ लव एंड वॉर', 'कार्तिक पूर्णिमा', 'बारिश' और 'बेकाबू 2' में नजर आईं। पोलोमी को टीवी की प्रियंका चोपड़ा कहा जाता है। उनकी सूरत काफी हद तक प्रियंका चोपड़ा से मिलती है, इसलिए उन्हें उनके फैंस प्रियंका चोपड़ा की हमशक्ल कहते हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी का म्यूजिक वीडियो 'इत्तेफाक' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी का म्यूजिक ट्रैक 'इत्तेफाक' आखिरकार रिलीज हो गया है। अपने ट्रैक को लॉन्च करते हुए एक्टर ने बताया कि वह हमेशा से एक्टिंग और डांस के साथ-साथ सिंगिंग और सॉन्ग राइटिंग में भी हाथ आजमाना चाहते थे। 'इत्तेफाक' 2 मिनट 48 सेकंड का म्यूजिक वीडियो है। इस गाने को सिद्धांत और सवेरा ने गाया है। खास बात यह है कि सिद्धांत ने गाने के लिरिक्स भी लिखे हैं। इसमें बेहतरीन धुन और शानदार विजुअल्स हैं। गाने के बारे में बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, म्यूजिक हमेशा से ही मेरे लिए एक पैशन रहा है। मैं काफी समय से एक्टिंग और डांस के साथ-साथ सिंगिंग और सॉन्ग राइटिंग में भी हाथ आजमाना चाहता था।''

सिद्धांत ने कहा, 'इत्तेफाक' इन सभी पैशन का परफेक्ट मिश्रण है। मैंने इस गाने को बनाने में दिन-रात एक किए हैं और मैं इसे दुनिया के साथ शेयर करने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं। गाने को अर्जुन वरेन सिंह ने डायरेक्ट किया है। गाने में अंकन सेन और साहिल एम खान ने डांस कोरियोग्राफ किया है। वहीं म्यूजिक कंपोजर ओएएफएफ और सवेरा हैं।

म्यूजिक वीडियो में सिद्धांत का एक नया अवतार देखने को मिलेगा। एक्ट्रेस वामिका गब्बी के साथ उनकी कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही फिल्म 'युधरा' में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी भी हैं। सिद्धांत ने अपने करियर की शुरुआत साल 2016 में टीवी शो 'लाइफ सही है' से की थी। वह वेब सीरीज 'इनसाइड एज' में नजर आए।

उन्होंने 2019 में रिलीज हुई 'गली बॉय' से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अहम भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने अपने से बड़ी उम्र का किरदार निभाया था। इसके बाद सिद्धांत 'बंटी और बबली 2', 'गहराइयां', 'फोन भूत' और 'खो गए हम कहां' जैसी फिल्में में नजर आ चुके हैं।

देश की पहली महिला आइपीएस ऑफिसर किरण बेदी पर बनेंगी बायोपिक

मुंबई/एजेन्सी

देश की पहली महिला आइपीएस ऑफिसर किरण बेदी पर बायोपिक बनायी जा रही है। भारत की पहली महिला आपीएस ऑफिसर किरण बेदी की जिंदगी पर बायोपिक बनायी जाने वाली है।ड्रीम स्लेट पिक्चर्स ने हाल ही में इस बायोपिक का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया है,जिसका नाम बेदी : द नेम यू नो' है। इस फिल्म के जरिए दर्शक किरण बेदी की अनकही कहानी को करीब से देख सकेंगे और जान सकेंगे कि कैसे एक महिला ने पुरुष प्रधान समाज में अपनी अलग पहचान बनाई।इस बायोपिक में किरण बेदी की जिंदगी के उन हिस्सों को बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा, जो अबतक कोई नहीं जानता. किन चुनौतियों का उन्हें सामना करना पड़ा? उनके माता-पिता से लेकर बाकी चीजें भी बायोपिक में दिखेंगी। फिल्म के निर्देशक कुशल चावला अपने इंस्टा हैंडल पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'यह रहा! कुशल चावला की लिखित और निर्देशित डॉ. किरण बेदी के जीवन पर बायोपिक फीचर फिल्म हमारी अनाउंसमेंट है। उम्मीद है आपको मोशन पोस्टर देखने में आनंद आया होगा। अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है। बने रहें!.

पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने कहा है कि उन्हें पहले भी कई बार बार अपने जीवन पर फिल्म बनाने का प्रस्ताव मिला है, लेकिन अब समय आ गया है कि उनकी कहानी सबके सामने आए। उन्होंने बताया कि निर्देशक कुशाल चावला के साढ़े चार साल की रिसर्च ने उन्हें इस बार हां कहने पर मजबूर कर दिया। किरण बेदी वर्ष 1972 में आईपीएस अधिकारी बनीं। वह देश की पहली महिला आईपीएस बनीं। 35 सालों तक देश की सेवा करने के बाद उन्होंने 2007 में रिटायरमेन्ट ले लिया। उस समय वह ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट के महानिदेशक के पद पर थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 14-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैनियों में व्यापार, वित्त और उद्योग सहित विविध क्षेत्रों में प्रभुत्व जनजात् घुट्टी में ही मौजूद है। व्यापार के प्रति रणनीतिक ष्टिकोण और बाज़ार की गतिशीलता की गहरी समझ ने जैनियों में आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में साध्वी हेमप्रभाश्री की 17वीं पुण्यतिथि मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में शंखेश्वर दादावाड़ी की प्रेरिका साध्वीश्री हेमप्रभाश्रीजी एवं विनीतप्रज्ञाश्रीजी की 17वीं पुण्यतिथि निमित्त गुणानुवाद सभा और सामूहिक सामायिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी का स्वागत किया और ट्रस्ट की ओर से गुरुवर्याश्रीजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, पुखराज कवाड, जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गुरुवर्या के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत की। साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरुवर्याहेमप्रभाश्रीजी जिन्हें हेमस्वर्ण नाम से भी पहचाना जाता था और गुरुणीश्री सुलोचनाश्रीज के प्रिय आध्यात्मिक संबंधों के बारे में बताया।

कार्यक्रम का संचालन अरविन्द कोठारी ने करते हुए कहा कि गुरुवर्याश्री के कर कमलों से ही आज से 25 वर्ष पूर्व जिनकुशलसूरी जैन धार्मिक पाठशाला और सामायिक मंडल की स्थापना हुई थी एवं मन्दिर और आराधना भवन में सुविकसित परम्परा में आगे बढ़ने का श्रेय गुरुवर्याश्री को जाता है। उन्होंने उस समय ट्रस्ट मंडल को यह प्रतिज्ञा करवाई कि मन्दिर में लाईट का उपयोगऔर सजाने हेतु लीलोत्री और फूलों का सचित्त आडम्बर युक्त वस्तुओं का उपयोग नहीं किया जाएगा।

आराधना भवन में किसी भी प्रकार के चलचित्रों का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा आदि अनेक प्रकार के सदकार्यों की प्रेरणा से आज यह ट्रस्ट मंडल बेंगलूरु में ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष में अपना एक अनूठा और विशिष्ट स्थान बना पाया है। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि साध्वीवर्या का प्रथम चातुर्मास सन 2000 में करने का गौरव बसवनगुडी संघ को प्राप्त है। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेंद्र गुलेच्छा, सामायिक मंडल के पवनी बाफना, इन्दिरा नागौरी ने गुरुवर्याश्रीजी के साथ अपने संस्मरण भी सुनाए।

मंगाफ अग्निकांड : पीड़ितों की सहायता के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/कुवैत सिटी। कुवैत में विदेशी कामगारों के आवास वाले अपार्टमेंट में लगी भीषण आग में घायल हुए लोगों की सहायता संबंधी प्रयासों में समन्वय करने और इस घटना में मारे गए लगभग 40 भारतीयों के शवों की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह बृहस्पतिवार को कुवैत पहुंचे। दक्षिणी शहर मंगाफ में सात मंजिला एक इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई थी जिसमें 195 प्रवासी श्रमिक रहते थे। इस घटना में कम से कम 49 विदेशी कामगारों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह आग हादसे में घायल हुए लोगों की सहायता के प्रयासों और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीरों की शीघ्र वतन वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कुवैत पहुंचे हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में कहा कि कुवैत के अधिकारी दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में हुई आग लगने की विनाशकारी घटना में मारे गए लोगों के शवों का डीएनए परीक्षण करा रहे हैं। उनके अनुसार, घटना में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर वापस लाने के लिए भारतीय वायुसेना का एक विमान तैयार रखा गया है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात एक बयान में कहा, कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में श्रमिक आवास सुविधा में आज सुबह हुई दुर्भाग्यपूर्ण और आग लगने की दुखद घटना में लगभग 40 भारतीयों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए।

मायावती के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के मामले में कमाल आर खान पर मुकदमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती को लेकर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करने के मामले में फिल्म अभिनेता कमाल राशिद खान उर्फ केआरके के खिलाफ देवबंद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। कमाल खान मूल रूप से सहारनपुर जिले में थाना देवबंद के अंतर्गत ग्राम फुलास अकबरपुर के निवासी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कथित अभद्र टिप्पणी की थी। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सागर जैन ने बताया कि कमाल राशिद खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

उनके ऊपर यह मुकदमा बसपा नेता एवं पार्टी के देवबंद विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार ने दर्ज कराया है। कमाल आर खान की इस टिप्पणी के बाद बसपा सुप्रीमो के आदेश पर उनके भाई और सहारनपुर लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी रहे माजिद अली को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। सुशील कुमार द्वारा थाने में दी गई तहरीर में कहा गया कि बसपा प्रमुख पर की गयी टिप्पणी से बहुजन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। तहरीर में कहा गया, दलित समाज बहन जी (मायावती) का दिल से सम्मान और आदर करता है, लेकिन कमाल राशिद खान ने 'एक्स' पर बहन जी पर अभद्र टिप्पणी करके दलित समाज को अपमानित किया है।

गौरतलब है कि सहारनपुर से 2024 के लोकसभा चुनाव में कमाल के भाई माजिद अली ने बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और वह चुनाव में हार गये। इस संबंध में माजिद अली ने कहा था कि उनका कमाल से पिछले 15 वर्ष से कोई रिश्ता नहीं है, वहीं कमाल ने भी एक और पोस्ट लिख कर कहा कि सहारनपुर में मायावती की पार्टी के कुछ छोटे-मोटे नेता हैं जो मुझे अपना भाई या रिश्तेदार बताकर प्रचार पाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि अपने विवादास्पद बयानों को लेकर कमाल आर खान हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। माजिद अली की पत्नी बसपा के टिकट पर सहारनपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

भंसाली बने खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष, गुलेच्छा बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा आयोजित साधारण सभा में निवृतमान अध्यक्ष बाबूलाल भंसाली द्वारा सर्वसम्मति से वर्ष 2024-26 के लिए संघवी प्रकाश भंसाली को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। निर्भयलाल गुलेच्छा, महेंद्र रांका, तेजराज मालानी, संघवी तेजराज गुलेच्छा, संघवी विजयराज दोशी, रंजीत ललवानी पुखराज कवाड़ को सलाहकार बनाया गया है। नई कमेटी में प्रकाश भंसाली को अध्यक्ष, राजेन्द्र भंसाली व भरत रांका को उपाध्यक्ष, राजेन्द्र गुलेच्छा को मंत्री, विकास पारख को कोषाध्यक्ष, वीरचन्द चौपड़ा व गौतम कोठारी को सहमंत्री, कैलाश संकलेचा को प्रचार प्रमुख, विक्रम गुलेच्छश को प्रचार उपप्रमुख नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 16 सदस्यों को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है।

गौतमचन्द धारीवाल बने राष्ट्रीय सहमंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। समाजसेवा में अपनी विशिष्ठ पहचान रखने वाले गौतमचंद धारीवाल को केंद्रीय मानवाधिकार संगठन नई दिल्ली के राष्ट्रीय सहमंत्री पद पर नियुक्त किया है। धारीवाल इस संगठन के कर्नाटक के अध्यक्ष पर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राष्ट्रीय चेयरमैन मिलिंद दहीवाले ने धारीवाल को संगठन में राष्ट्रीय सहमंत्री पद का दायित्व सौंपा।

लाभचन्द मेहता का निधन, अंत्येष्टि आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

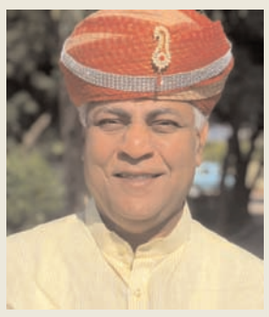

बेंगलूरु। लम्बे समय से केमिकल व्यवसाय से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी एवं व्यवसायी लाभचन्द मेहता का स्वर्गवास गुरुवार 13 जून को दोपहर में हो गया। 71 वर्षीय लाभचन्द मेहता भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक में कार्यकर्ता के रूप में विभिन्न पदों पर सक्रियता के साथ कार्यरत रहे। उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव भी लड़ा। कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन के प्रारंभिक सदस्यों में एक लाभचंद मेहता शहर की अनेक धार्मिक, सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। वे राजस्थान में खिमेल के रहने वाले थे और 70 के दशक में ही बेंगलूरु आकर बस गए थे। उन्होंने अपने व्यवसाय में कड़ी मेहनत कर व्यापार और समाज में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया। राजनीति में वे रुचि रखते थे परंतु व्यवसाय का स्थान पहले नंबर पर था। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से उनके गहरे स्नेह संबंध थे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत से लेकर अनेक नेताओं से उनके निकट संबंध थे। कर्नाटक प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जैसे पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, केन्द्रीय मंत्री स्व. अनन्त कुमार सहित अन्य नेताओं से भी उनका अच्छा जुड़ाव था। वे अनुशासनप्रिय थे तथा संस्थाओं में अनुशासन का पालन करने के हिमायती थे। वे मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे परंतु जो उन्हें अनुचित प्रतीत होता तो वे अपनी भावनाओं को दबने नहीं देते थे। उनकी साफगोई कभी कभी उनके मित्रों को नाराज कर देती थी लेकिन वे अपने रिश्ते बिगड़ने नहीं देते थे।

भाजपा में उनके साथी रहे वर्तमान राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने भी श्री मेहता के निधन पर दुख जताते हुए कहा है कि लाभचन्द मेहता बहुत ही निर्भीक, निष्ठावान व निस्वार्थ कार्यकर्ता थे। वे सामाजिक कार्यों में भी विशेष रुचि लेते थे। मेहता जनसंघ के समय से ही सक्रिय थे। राज्य में भारतीय जनता पार्टी के प्रारंभिक दिनों में पार्टी विकास में उनका विशेष सहयोग रहा। लाभचन्द मेहता के चले जाने से सामाजिक क्षति के साथ साथ मुझे भी व्यक्तिगत हानि हुई है। मैंने अपना एक अच्छा दोस्त खो दिया।

लाभचंद मेहता की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार शुक्रवार 14 जून को दोपहर 3.30 बजे विल्सन गार्डन शवदाहगृह में किया जाएगा। वे अपने पीछे धर्मपत्नी, पुत्र, पुत्रियों से भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

फिल्म 'महाराज' पर प्रतिबंध लगाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। बहुचर्चित फिल्म 'महाराज' के नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर से एक दिन पहले, इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी है। बॉलीवुड के अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग ने की है। बृहस्पतिवार की सुबह से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'बॉयकॉट नेटफ्लिक्स', 'बैन महाराज फिल्म' और आमिर खान जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे।

निर्माताओं के अनुसार, 'महाराज' की कहानी, भारत की आज़ादी से पहले के दौर पर, 1862 के 'महाराज लाइबेल मामले' पर आधारित है, जो एक जाने-माने व्यक्ति द्वारा कदाचार के आरोपों से भड़क उठा था।

इस फिल्म के निर्देशित सिद्धार्थ पी मल्होत्रा है और इसका निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है। इस फिल्म में जयदीप अहलावत भी हैं। फिल्म बिना किसी प्रचार के नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हो रही है। जयदीप और जुनैद के पोस्टर को छोड़कर, निर्माताओं ने फिल्म के लिए कोई टीज़र या ट्रेलर जारी नहीं किया है। प्रतिबंध की मांग करने वालों में विश्व हिंदू परिषद की साध्वी प्राची भी हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा सनातन धर्म का अपमान सहन नहीं करेंगे। महाराज पर प्रतिबंध लगाएं। नेटफ्लिक्स द्वारा पिछले महीने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'महाराज' एक पत्रकार और समाज सुधारक करसनदास मूलजी पर आधारित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक सुधार के पैरोकार थे।

जीतो बिजनेस नेटवर्क जेबीएन रेफ़रल मीट में जीतो महिला उद्यमी हुई कनेक्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'जैनियों में व्यापार, वित्त और उद्योग सहित विविध क्षेत्रों में प्रभुत्व जनजात घुट्टी में ही मौजूद है। व्यापार के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण और बाज़ार की गतिशीलता की गहरी समझ ने जैनियों में आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बचपन से स्कूली शिक्षा, अपने परिवार की मदद और एक उद्यमी भावना पर आधारित मूल्य बिज़नेस करने वालों की परंपरा के महत्वपूर्ण पहलू हैं।' यह विचार सीएफ़ई बेंगलोर के संस्थापक व मुख्य प्रशिक्षक हिम्मत मांडोत ने जीतो लेडीज विंग द्वारा संचालित जीतो बिज़नेस नेटवर्क जेबीएन रेफ़रल मीट वी कनेक्ट में जीतो कार्यालय राजाजीनगर में व्यक्त किए। उन्होंने जीतो अध्याय के विभिन्न शीर्षों के बारे में बताया। उनकी वार्ता में व्यापारिक बारीकियों का एक अद्भुत अनुभव रहा और व्यापार जगत की एक शानदार झलक थी। उन्होंने व्यवसाय वृद्धि के लिए डिजिटल रूप से फिट रहने और प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने पर जोर दिया। पिंकी मेहता (एंकर) ने अपने काम के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए 8 मिनट की प्रस्तुति और अपने व्यवसाय का पीपीटी द्वारा विस्तार से बताया। लेडीज विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी महामंत्री सुमन वेदमुथा,मीना बडेरा ने विचार रखे।

जेबीएन सदस्यों ने 30 सेकंड में अपने-अपने व्यवसाय के बारे में साझा करने का अवसर मिला। इस मीटिंग में सर्वश्रेष्ठ पिच-दीप्ति शाह व पूर्वी जसानी, बेस्ट ड्रेस-मीना जैन विजेता रहे।

नये सदस्य चार की उपस्थिति रही जिन्होंने अपने व्यवसाय का परिचय दिया। पूर्व टीम सुष्मिता सेठिया, भाविका कोठारी, तनुजा मेहता, कार्यसमिति सदस्य रक्षा छाजेड, संगीता बेताला उपस्थित थे। जेबीएन रिपोर्ट प्रस्तुति उपाध्यक्ष पिंकी मेहता एवं प्रशिक्षक का परिचय एवं धन्यवाद मंत्री सीमा शाह ने दिया।

संभव फाउंडेशन ने 230 स्कूली बच्चों को दी स्टेशनरी किट व बैग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजय संभव फाउंडेशन एवं आईसर्टिस सोल्यूशंस ने जीएमपीएस प्राथमिक विद्यालय बोमनहल्ली में स्टेशनरी किट और एकोफ्रेंडली बैग वितरित किए। कार्यक्रम की शुरुआत कावेरी हॉस्पिटल के किडनी रोग विशेषज्ञ डा.राममोहन भट ने की। फाउंडेशन के ब्राँड एंबेसडर व एशिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में प्रसिद्ध मनोज चोपड़ा ने बाहुबल का प्रदर्शन किया।

इसी कड़ी में चेयरमैन रवि राजहंस ने मंच संचालन करते हुए बताया कि बोमनहल्ली में इस स्कूल में दो सौ तीस (230) बच्चों को फाउंडेशन की तरफ से और आईसर्टिस कम्पनी के सीएसआर कोष से सहयोग सामग्री दी गई। इस कार्यक्रम के में कम्पनी के सीओओ आनंद एस, उपाध्यक्ष अमन सूद, सोनाली आनंद और एचआर राखी विद्यालय की प्रधानाध्यापक मंजुला आदि उपस्थित थे।

फाउंडेशन की ओर से सहयोगी कम्पनी के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

तैयारियां व गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के कल्याण मित्र वर्षावास समिति के पदाधिकारियों की टीम जिसमें मूलचन्द भंवरलाल ओसवाल, अशोककुमार दांतेवाड़िया, भोजराज कांतिलाल चौहान, प्रवीण दांतेवाड़िया आदि सदस्यों ने अरसीकेरे में विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के दर्शन किए तथा मैसूरु में आगाची चातुर्मास व 7 जुलाई को होने वाले चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम के विषय पर चर्चा की। आचार्यश्री ने चातुर्मास तैयारियों की समीक्षा करते हुए विचार विमर्श किया।

विकास कार्य का भूमिपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली-धारवाड़ सेन्ट्रल विधानसभा क्षेत्र के नए बादामी परिसर वार्ड नंबर 44 में कंक्रीट सड़क कार्यों की शुरुआत के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इस परियोजना को रोड कनेक्टिविटी बढ़ाने और बेहतर सड़क सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है और इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस भूमिपूजन के मौके पर हुब्बल्ली सेन्ट्रल के विधायक महेश तेंगेनकाई, पार्षद उमा मुकुंद, वी. मुकुंद, शिवु मदीवाला, समाजसेवी विनोदकुमार पटवा सहित अनेक भाजपा सदस्य उपस्थित थे ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com